बेसिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश की मासिक पत्रिका

# प्रेरणा

बेसिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश की मासिक पत्रिका वर्ष 2 | द्वितीय अंक | फरवरी-2021

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

अन्त्योदय एवं एकात्म मानव दर्शन के प्रणेता

# पंडित दीनदयाल उपाध्याय

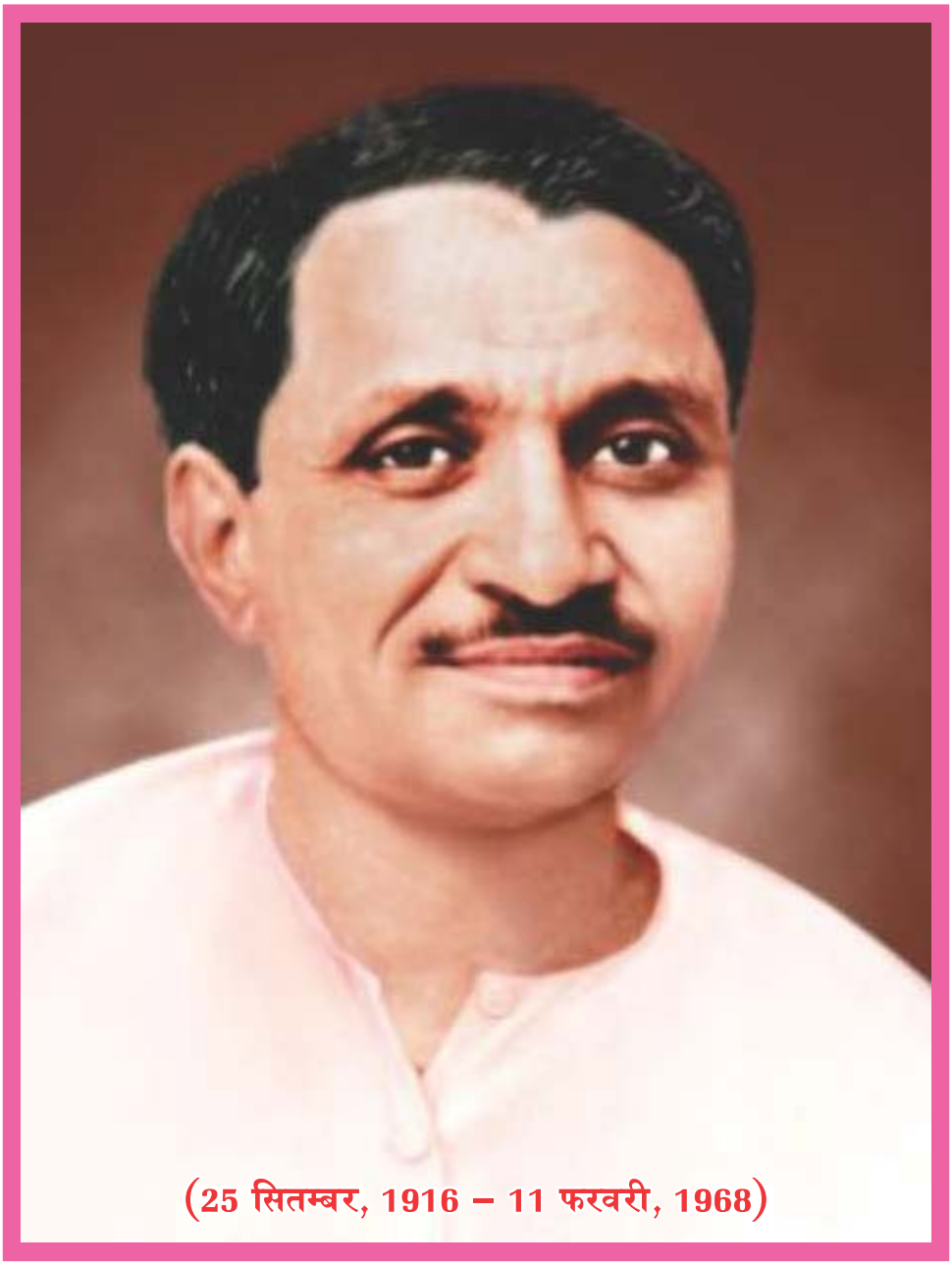

(25 सितम्बर, 1916 – 11 फरवरी, 1968)

पुण्य तिथि : 11 फरवरी

शत्–शत् नमन्

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

बेसिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश की मासिक पत्रिका

# प्रेरणा

वर्ष 2 | द्वितीय अंक | फरवरी, 2021

बेसिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश
विद्या भवन, निशातगंज, लखनऊ
ईमेल : prernapatrikabasicedu@gmail.com
फोन नं. : 0522-2780391

## संरक्षक

**डॉ. सतीश चन्द्र द्विवेदी**
मा. राज्य मंत्री, (स्वतंत्र प्रभार)
बेसिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश

**सह संरक्षक**
**श्रीमती रेणुका कुमार**
आई.ए.एस.
अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा,
उत्तर प्रदेश शासन

**निर्देशन**
**श्री विजय किरन आनन्द**
आई.ए.एस.
महानिदेशक
स्कूल शिक्षा, उत्तर प्रदेश

**प्रधान सम्पादक**
**डॉ. सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह**
शिक्षा निदेशक (बेसिक)
उत्तर प्रदेश

**नोडल अधिकारी,**
**श्री राजेश कुमार शाही**
मध्यान्ह भोजन प्राधिकरण

**सम्पादक**
**डॉ. के.बी. त्रिवेदी**

## सम्पादक मण्डल

1. निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी., उ.प्र. लखनऊ
2. निदेशक साक्षरता, साक्षरता निदेशालय, उ.प्र. लखनऊ
3. श्री मुमताज अहमद, वित्त नियन्त्रक म.भो.प्रा., उ.प्र. लखनऊ
4. डॉ. पवन कुमार सचान, प्राचार्य डायट, लखनऊ
5. श्री गुरमिन्दर सिंह, सलाहकार समग्र शिक्षा अभियान, लखनऊ

## प्रेरणा पत्रिका प्रकाशन सामग्री संकलन समिति

1. श्रीमती दीपा तिवारी, सहायक निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी., लखनऊ — अध्यक्ष
2. श्री राजेश कुमार शाही, म.भो.प्रा., उ.प्र. लखनऊ — सदस्य
3. श्री गुरमिन्दर सिंह, सलाहकार, समग्र शिक्षा अभियान लखनऊ — सदस्य
4. श्री बाल गोबिन्द मौर्य, वरिष्ठ प्रवक्ता डायट लखनऊ — सदस्य
5. श्रीमती पूनम उपाध्याय, प्रवक्ता डायट, लखनऊ — सदस्य

## प्रेरणा पत्रिका के वितरण सम्बन्धी समिति

1. श्री अब्दुल मुबीन, सहायक निदेशक, बेसिक शिक्षा निदेशालय लखनऊ — अध्यक्ष
2. श्री संजय कुमार शुक्ल, प्रशासनिक अधिकारी, समग्र शिक्षा अभियान लखनऊ — सदस्य
3. श्रीमती पुष्पा रंजन, प्रशासनिक अधिकारी, एस.सी.ई.आर.टी. लखनऊ — सदस्य

## टंकण सहयोग

1. श्री संजय कुमार, कम्प्यूटर आपरेटर, म.भो.प्रा., लखनऊ
2. कु. दिव्यांशी दीक्षित, कम्प्यूटर आपरेटर, म.भो.प्रा., लखनऊ

# विषय–सूची


| क्र.सं. | विषय | पृष्ठ सं. |
|---|---|---|
| 1. | जब माननीय मुख्यमंत्री जी ने बच्चों को चॉकलेट दी | 05 |
| 2. | बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. सतीश चन्द्र द्विवेदी द्वारा बी.एस.ए. कार्यालय बस्ती का लोकार्पण | 06 |
| 3. | बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. सतीश चन्द्र द्विवेदी द्वारा शिक्षकों को सम्मानित किया गया | 07 |
| 4. | बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. सतीश चन्द्र द्विवेदी द्वारा 'प्रेरणा लक्ष्य ऐप' का शुभारम्भ | 08 |
| 5. | छात्रों के विकास में योग की भूमिका महत्वपूर्ण : डॉ. सतीश चन्द्र द्विवेदी | 09 |
| 6. | परिषदीय विद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियों का शुभारम्भ | 10 |
| 7. | ''प्रेरणा ज्ञानोत्सव'' परिषदीय विद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता का एक अभिनव प्रयास | 15 |
| 8. | सामुदायिक सहभागिता के अन्तर्गत कार्यों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण | 21 |
| 9. | कोरोना जागरूकता (कविता) | 23 |
| 10. | विद्यालयों में 'समर्थ कार्यक्रम' (गुणवत्तापूर्ण समावेशी शिक्षा की ओर सार्थक कदम) | 24 |
| 11. | उपकरण पाकर खिले दिव्याँग बच्चों के चेहरे (जनपद–सीतापुर) | 25 |
| 12. | छात्र प्रगति पत्र (रिपोर्ट कार्ड) गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की ओर बढ़ता एक कदम | 27 |
| 13. | ''समृद्ध कार्यक्रम'' अधिगम स्तर बढ़ाने की दिशा में एक पहल | 28 |
| 14. | The Silver Lining in the Covid Cloud Online English Speaking Course by ELTI | 30 |
| 15. | 'ऑनलाइन शिक्षा वरदान है' (कविता) | 31 |
| 16. | प्राथमिक विद्यालयों के छात्र बनेंगे प्रेरक (प्रेरक बालक/बालिका) | 32 |
| 17. | परिषदीय विद्यालय के बच्चे (कविता) | 33 |
| 18. | गाँजर क्षेत्र (सीतापुर) का विद्यालय बना आदर्श विद्यालय (राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षिका) | 34 |
| 19. | जो कल खिलेंगे वे फूल हैं ''यह'' (राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षिका) | 35 |
| 20. | बच्चों की पहली पसन्द बना विद्यालय (राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षिका) | 36 |
| 21. | लोग साथ आते गये और कारवाँ बनता गया (राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षिका) | 37 |
| 22. | एक विद्यालय जहाँ के छात्र हर क्षेत्र में अग्रणी हैं (राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षिका) | 39 |
| 23. | छात्रों का सर्वांगीण विकास ही जिसका लक्ष्य है (पूर्व माध्यमिक विद्यालय कोइलरा, औराई जनपद–भदोही) | 40 |
| 24. | शिक्षण का अनोखा तरीका बोलती पुस्तकें | 41 |
| 25. | बच्चों के बौद्धिक विकास की दिशा में एक सरहानीय पहल (प्राथमिक विद्यालय सरैया, चरगाँवा, गोरखपुर) | 42 |
| 26. | संख्या के आधार पर बड़े कालेज को मात देता परिषदीय विद्यालय (संविलयन परिषदीय विद्यालय–बागराणप, लोनी गाजियाबाद) | 43 |
| 27. | नई तकनीक के साथ कला समावेशी शिक्षण ने दी नई पहचान (मॉडल प्राथमिक विद्यालय कासिमपुर, अलीगढ़) | 44 |
| 28. | आपरेशन कायाकल्प से विद्यालयों की बदली तस्वीर (जनपद पीलीभीत) | 45 |
| 29. | अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च, 2021) पर विशेष बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन की पहल : मिशन शक्ति | 47 |


❑❑❑

# सम्पादकीय

कोरोना संकट से उबरता देश लोगों में नवचेतना, स्फूर्ति और आत्म विश्वास का परिचायक है। लगभग एक वर्ष से देश और प्रदेश में सभी शैक्षणिक गतिविधियाँ प्रभावित रही हैं। जैसे–जैसे कोरोना का प्रभाव कम हो रहा है शैक्षणिक गतिविधियाँ फिर से हिलोरें ले रही हैं। देश का सबसे बड़ा प्राथमिक शिक्षा संगठन ''उ.प्र. बेसिक शिक्षा विभाग'' इस अवसर का पूर्ण सदुपयोग करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। पहली मार्च से प्राथमिक विद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन के लिये कोरोना से बचाव की व्यापक तैयारियाँ की गयी हैं। स्कूल न खुलने के कारण छात्रों की शिक्षा पर विपरीत प्रभाव न पड़े इसके लिये सूचना संचार तकनीक के माध्यम से पूरे प्रयास किये गये हैं। छात्रों के अधिगम स्तर में और वृद्धि के लिये उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा विभाग ने 100 दिनों तक चलने वाले प्रेरणा ज्ञानोत्सव का शुभारम्भ किया है। इस अभियान के अन्तर्गत छात्रों को प्रेरणा लक्ष्य प्राप्त करने के लिये पूर्ण योजना बनायी गयी है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये सभी शिक्षकों का भरपूर सहयोग अपेक्षित है। बिना उनके सहयोग के यह लक्ष्य नहीं प्राप्त किया जा सकता है।

प्राथमिक कक्षाओं में कक्षा–एक से पाँच तक के छात्रों को भाषा तथा गणित विषयों में प्रवीण बनाने के लिये प्रेरणा ज्ञानोत्सव के साथ–साथ मिशन प्रेरणा के अन्तर्गत एक बहुआयामी ''समृद्ध कार्यक्रम'' की शुरूआत की गयी है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत छात्रों को योजनाबद्ध ढंग से शिक्षित करने और अगली कक्षा के लिये बेहतर ढंग से तैयारी कराने का प्रयास किया जायेगा।

बेसिक शिक्षा विभाग प्रदेश की प्राथमिक शिक्षा में एक बड़े बदलाव की ओर अग्रसर है। एक ओर जहाँ विद्यालयों के भौतिक परिवेश को ऑपरेशन कायाकल्प की मदद से सवाँरा जा रहा है। वहीं दूसरी ओर स्मार्ट क्लास जैसी आधुनिक सुविधायें भी विकसित हो रही हैं। हमारे बहुत से विद्यालय निजी पब्लिक स्कूलों से बेहतर हुये हैं जहाँ छात्रों ने निजी स्कूलों की अपेक्षा प्राथमिक विद्यालयों को प्राथमिकता दी है। शैक्षणिक उन्नयन के लिये विभाग मिशन प्रेरणा के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

बेसिक शिक्षा की दिशा और दशा बदलने में विभाग की मासिक पत्रिका प्रेरणा महत्वपूर्ण किरदार निभा रही है। प्रेरणा पत्रिका के इस अंक में विभाग की गतिविधियों के साथ–साथ सराहनीय कार्य करने वाले शिक्षकों, ऑपरेशन कायाकल्प, समेकित शिक्षा, प्रेरणा ज्ञानोत्सव, समृद्ध कार्यक्रम और विद्यालयों में चल रहे शैक्षणिक नवाचारों को शामिल किया गया है। पत्रिका को और समृद्ध एवं उपयोगी बनाने के लिये आप सभी के आलेखों, कहानियों और सुझावों का स्वागत है। माननीय मुख्यमंत्री की संकल्पना ''हम परिषदीय विद्यालयों को पब्लिक स्कूलों से बेहतर बनायेंगें'' की दिशा में बेसिक शिक्षा विभाग हर कदम मजबूती से आगे बढ़ा रहा है। हमारे इस प्रयास में विभाग की मासिक पत्रिका ''प्रेरणा'' सभी सहयोगियों का मार्गदर्शन करने के साथ ही प्रेरक की भूमिका अदा कर रही है। आइये हम सब मिलकर बेसिक शिक्षा को उन्नति के शिखर पर ले जाने के इस पुनीत पर्व में अपनी भूमिका को एक नया अर्थ दें।

**(डॉ. सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह)**
शिक्षा निदेशक (बेसिक)
प्रधान सम्पादक

# जब माननीय मुख्यमंत्री जी ने बच्चों को चॉकलेट दी

कोरोना संकट के कारण पिछले 1 वर्ष से बंद चल रहे विद्यालयों में 1 मार्च, 2021 से पुनः शिक्षण कार्य प्रारम्भ हो गया है। विगत 1 मार्च को प्राथमिक कक्षाओं के छात्रों के स्वागत के लिये विद्यालयों को फूलों और गुब्बारों से सजाया गया। शिक्षकों ने छात्रों का रोली लगाकर स्वागत किया। लखनऊ जिले के शहरी क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय 'नरही' की छात्रा रचना रावत (कक्षा–5) के लिये यह दिन विशेष खुशियों भरा था, क्योंकि छात्रों का मनोबल बढ़ाने एवं स्कूलों में की गयी व्यवस्थाओं को देखने के लिये प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ उसके विद्यालय नरही पधारे। माननीय मुख्यमंत्री ने बच्चों को चॉकलेट दी और उन्हें नियमित स्कूल आने एवं मन लगाकर पढ़ाई करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने ऑपरेशन कायाकल्प के अन्तर्गत विद्यालयों में कराये जा रहे कार्यों की जानकारी ली और विद्यालय में बनाये गये स्मार्ट क्लास को देखा। उन्होंने छात्रों से लाकडाउन की अवधि में किस प्रकार पढ़ाई की उसके बारे में पूँछा और नियमित रूप से मास्क पहनने के फायदे भी बताये। छात्रा रचना रावत ने बताया कि सी.एम. अंकल ने मेरा नाम, क्लास और मेरे परिवार के बारे में पूँछा। छात्रों के साथ–साथ अध्यापक भी माननीय मुख्यमंत्री के आगमन से उत्साहित और अभिभूत दिखे। मा0 मुख्यमंत्री के साथ अपर मुख्य सचिव (सूचना) श्री नवनीत सहगल भी थे।

# बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. सतीश चन्द्र द्विवेदी द्वारा बी.एस.ए. कार्यालय बस्ती का लोकार्पण

प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) डॉ. सतीश चन्द्र द्विवेदी द्वारा विगत 13 फरवरी, 2021 को बस्ती जनपद के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय परिसर में आयोजित मिशन प्रेरणा गोष्ठी में बी.एस.ए. कर्यालय बस्ती के कायाकल्पित भवन का लोकार्पण किया गया। बी.एस.ए. कार्यालय बस्ती के 113 वर्ष पुराने जर्जर भवन को बस्ती के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, श्री जगदीश प्रसाद शुक्ल ने अपनी लगन से एक नया रूप देकर उदाहरण प्रस्तुत किया है। बेसिक शिक्षा मंत्री डॉ. सतीश चन्द्र द्विवेदी ने बी.एस.ए. श्री जगदीश प्रसाद शुक्ल के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि अब इसी तर्ज पर अभियान चलाकर प्रदेश के सभी जिलों के बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालयों का कायाकल्प किया जाएगा। मा. मंत्री ने कहा कि प्रदेश की योगी सरकार द्वारा 1 लाख 60 हजार परिषदीय स्कूलों को भौतिक व आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है। इस सरकार के आने के बाद हर क्षेत्र में विकास हुआ है। उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा विभाग को दुनिया का सबसे बड़ा शिक्षक प्रशिक्षण प्रोग्राम निष्ठा पूरा करने का गौरव प्राप्त हुआ है।

# बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. सतीश चन्द्र द्विवेदी द्वारा शिक्षकों को सम्मानित किया गया

मिशन प्रेरणा गोष्ठी में बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. सतीश चन्द्र द्विवेदी द्वारा दिनांक 13 फरवरी, 2021 को जनपद बस्ती के शिक्षकों को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में जिलाध्याक्ष महेश शुक्ल, मुख्य राजस्व अधिकारी बस्ती श्रीमती नीता यादव, संयुक्त शिक्षा निदेशक मनोज द्विवेदी, सहायक शिक्षा निदेशक श्री आनन्दकर पाण्डेय, एसआरजी डॉ. सर्वेष्ट मिश्र, आशीष श्रीवास्तव, अंगद पाण्डेय सहित समस्त 75 एआरपी और 101 शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

बस्ती जनपद में कुल 4 तहसीलों, 14 विकास खण्डों और 01 नगर क्षेत्र मिलाकर 1436 प्राथमिक विद्यालय, 337 उच्च प्राथमिक विद्यालय व 301 कम्पोजिट विद्यालय कुल 2074 विद्यालय संचालित हैं। बस्ती जनपद में कुल 7231 शिक्षक, शिक्षा मित्र व अनुदेशक कार्यरत हैं। विद्यालय में लगभग 2 लाख छात्र–छात्राएं अध्ययनरत हैं। स्कूलों में भौतिक सुविधाओं के विकास हेतु प्रयास किए जा रहे हैं। मिशन प्रेरणा के अंतर्गत हर बच्चे को उसकी कक्षा के अनुरूप दक्षता लाने हेतु लर्निंग आउटकम के आधार पर शिक्षा देने की व्यवस्था की गयी है।

# बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. सतीश चन्द्र द्विवेदी द्वारा 'प्रेरणा लक्ष्य ऐप' का शुभारम्भ

बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. सतीश चन्द्र द्विवेदी ने विगत 23 फरवरी, 2021 को राज्य शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद के सभागार में ''प्रेरणा लक्ष्य'' ऐप का शुभारम्भ किया। यह ऐप एक ऐसा नवोन्मेषी ऐप है जिसके माध्यम से बच्चों के सीखने की क्षमताओं में वृद्धि होगी। इस एप के माध्यम से वह कक्षा में पढ़ाये गये पाठ को दुबारा देख और सुन सकते हैं। अभिभावक भी ऐप के माध्यम से अपने बच्चों की दक्षताओं का आँकलन कर सकेंगे। एप गूगल प्ले स्टोर पर निःशुल्क उपलब्ध होगा।

ऐप का शुभारम्भ करते हुए माननीय बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सतीश चन्द्र द्विवेदी ने कहा कि इस ऐप से आँकलन करके शिक्षक बच्चों पर अधिक ध्यान देकर उनके सीखने की बुनियादी दक्षताओं को बढ़ा सकेगें। यह ऐप बच्चों को प्रेरक बालक/बालिका के लक्ष्य हासिल करने के लिये प्रेरित करेगा और अन्त में हम प्रेरक स्कूल, प्रेरक ब्लाक, प्रेरक जनपद और प्रेरक प्रदेश का लक्ष्य प्राप्त कर सकेंगें।

# छात्रों के विकास में योग की भूमिका महत्वपूर्ण : डॉ. सतीश चन्द्र द्विवेदी

बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. सतीश चन्द्र द्विवेदी द्वारा विगत 23 फरवरी, 2021 को राज्य शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद के सभागार में परिषद द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय योग प्रतियोगिता में शिक्षकों को सम्बोधित किया गया। उन्होंने शिक्षकों से योग की महत्ता पर बल देते हुए कहा स्वस्थ रहने के लिए योग बहुत जरूरी है और स्कूलों में पढ़ रहे छात्रों को भी नियमित रूप से योग की शिक्षा दी जानी चाहिए। प्रतियोगिता में भाग ले रहे शिक्षकों का माननीय मंत्री ने मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि बेसिक शिक्षा में हो रहे परिवर्तनों में आप सब की भूमिका महत्वपूर्ण है। बेसिक शिक्षा को उत्कृष्ट बनाने के लिए सभी पूर्ण मनोयोग से सहयोग करें और प्रदेश को प्रेरक प्रदेश बनाने में अपना अमूल्य योगदान दें।

# परिषदीय विद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियों का शुभारम्भ

प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में 01 मार्च, 2021 का दिन पर्व और त्योहार की तरह मनाया गया। इस दिन विद्यालयों में एक अलग तरह की चहल–पहल थी। विद्यालयों में पढ़ रहे कक्षा–1 से 5 तक के छात्रों के स्वागत के लिये विद्यालयों को गुब्बारों और फूलों से सजाया गया। कोविड–19 के निर्देशों का पालन करते हुये शिक्षकों द्वारा छात्रों का हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया गया। छात्रों को टीका लगाकर उनकी आरती उतारी गयी। छात्रों में भी विद्यालय आने का भरपूर उत्साह देखा गया। आखिरकार लगभग 1 वर्ष के अन्तराल के बाद विद्यालयों में पुनः शैक्षणिक गतिविधियाँ प्रारम्भ जो हो रही थीं। विद्यालयों में नये सिरे से एक जीवंत वातावरण का सृजन हो रहा था। छात्रों के आगमन से पूर्व ही कोरोना से बचाव हेतु सम्पूर्ण तैयारियाँ पूर्ण कर ली गयीं थीं। विद्यालयों में बराबर कोविड–19 के बचाव हेतु निर्देशों का पालन किया जा रहा है। विद्यालय खुलने से पूर्व और शैक्षणिक गतिविधियों को संचालित करने के लिये निम्नवत् तैयारियाँ की गयी हैं :–

### विद्यालय खोलने के पूर्व कोरोना से बचाव हेतु की गयी तैयारी :

विद्यालय कैम्पस एवं सभी कक्षाओं के फर्नीचर, उपकरण, स्टेशनरी भंडारकक्ष, पानी की टंकी, किचेन, वॉशरूम, प्रयोगशाला, पुस्तकालय आदि की सफाई एवं विसंक्रमित कराया गया है।

- विद्यालय में हाथ की सफाई की सुविधा क्रियाशील की गयी है।
- डिजिटल थर्मामीटर, सेनेटाइजर, साबुन आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है।

- विद्यालय की परिवहन व्यवस्था आरम्भ किये जाने के पूर्व वाहनों का सेनेटाइजेशन कराया गया है।
- प्रधानाध्यापक द्वारा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सीय स्टॉफ से समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक मेडिकल सपोर्ट की सुविधा सुनिश्चित की गयी है।

- विद्यालय में आकस्मिक सुरक्षा संबंधी तैयारी के लिए विद्यालय प्रबन्ध समिति एवं शिक्षकों को उत्तरदायी बनाया गया है। इसके लिये प्रबन्ध समिति के सदस्यों और शिक्षकों की एक टास्क टीम गठित की गयी है।
- गाइडलाइन्स के अनुसार छात्र–छात्राओं के बीच कम से कम 06 फीट की दूरी के साथ बैठने की व्यवस्था की गयी है। जहाँ विद्यालय में एक सीट का बेंच–डेस्क है तो वहाँ भी 6 फीट की दूरी पर बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है।
- इसी प्रकार शिक्षकों के स्टाफ रूम/कार्यालय

/आगत कक्ष में भी 6 फीट की दूरी पर बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है।

- विद्यालय के प्रवेश एवं निकास द्वार को भी विभिन्न कक्षाओं के अनुसार क्रमवार समय आवंटित करते हुए आने एवं जाने के लिए चिन्हित किया गया है।
- विद्यालय के सभी गेट को आगमन एवं प्रस्थान के समय खुला रखा जा रहा है ताकि एक जगह भीड़ एकत्रित न हाने पाये।
- उपलब्धता के आधार पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम का उपयोग अभिभावक/विद्यार्थी के लिए सुनिश्चित किया गया है।
- प्राथमिक विद्यालय के वर्गकक्ष/बाहरी नोटिस बोर्ड/दिवाल आदि पर सामाजिक दूरी का पालन करने/मास्क लगाने/सेनेटाइजेशन/हाथ सफाई /यत्र–तत्र थूकने से प्रतिबंध के संबंध में मुद्रित पोस्टर लगाये गये हैं।
- विभिन्न स्थलों यथा–आगंतुक कक्ष/हाथ सफाई स्थल/पेयजल केन्द्र/टॉयलेट के बाहर जमीन पर वृत्ताकार चिन्ह बनाकर 6 फीट की दूरी पर निशान बना दिये गये हैं।

- यह सुनिश्चित किया गया है कि प्रत्येक कक्षा में छात्रों की कुल क्षमता की 50 प्रतिशत उपस्थिति प्रथम दिन रहे तथा शेष 50 प्रतिशत की उपस्थिति दूसरे दिन रहे। इस प्रकार किसी भी कार्य दिवस पर किसी भी कक्षा में कुल क्षमता के 50 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति नहीं होगी।
- विद्यालय में कक्षाओं का संचालन निम्न शेड्यूल के अनुसार किया जा रहा है।

| | |
|---|---|
| प्राथमिक स्तर पर – | सोमवार व बृहस्पतिवार को कक्षा–1 एवं 5,<br>मंगलवार व शुक्रवार को कक्षा–2 एवं 4<br>बुद्धवार व शनिवार को कक्षा–3 |
| उच्च प्राथमिक स्तर पर – | सोमवार व बृहस्पतिवार को कक्षा–6<br>मंगलवार व शुक्रवार को कक्षा–7<br>बुद्धवार व शनिवार को कक्षा–8 |

- विद्यालयों की जिन कक्षाओं में विद्यार्थियों की संख्या अधिक है, वहाँ पर 2–2 पालियों में कक्षायें संचालित की जा रही हैं, इस सम्बन्ध में निर्णय स्थानीय परिस्थितियों को देखते हुए प्रधानाध्यापक एवं विद्यालय प्रबन्ध समिति द्वारा किया गया है।
- जहाँ विद्यालयों में नामांकन अधिक है उन्हें दो पाली में संचालित किया जा रहा है तथा प्रत्येक शिफ्ट के समय को परिस्थिति अनुसार कम किया गया है।
- जहाँ कक्षा–कक्ष का साईज छोटा है वहाँ कम्प्यूटर रूम, लाईब्रेरी, प्रयोगशाला आदि का भी उपयोग बैठने एवं 6 फीट की दूरी का पालन करते हुए उपयोग किया जा रहा है।
- विद्यालयों में किसी भी प्रकार के आयोजन नहीं किये जा रहे हैं जिनमें भौतिक दूरी का पालन करना संभव नहीं है।
- कोरोना से बचाव हेतु समारोह/त्योहार/खेलकूद आदि के आयोजन अभी नहीं हो रहे हैं।

- विद्यालय एसेम्बली कक्षा शिक्षक के दिशा निर्देश में विद्यार्थी के कक्षाओं में ही अलग–अलग आयोजित की जा रही हैं, जिससे भौतिक दूरी का पालन किया जा सके।
- कक्षा में नए नामाँकन के लिये केवल अभिभावक को ही बुलाया जा रहा है बच्चों को अभिभावक के साथ आने से मुक्त रखा गया है।
- छात्र/छात्राओं के विद्यालय उपस्थिति के पूर्व माता–पिता/अभिभावक से अनिवार्य रूप से निर्धारित प्रारूप पर सहमति ली गयी है।
- जो विद्यार्थी परिवार की सहमति से घर से ही अध्ययन करना चाहते हैं तो उन्हें अनुमति दी गयी है।
- ऐसे सभी विद्यार्थियों के अध्ययन संबंधी प्रगति की योजनाबद्ध तरीके से अनुश्रवण की व्यवस्था भी की गयी है।
- विद्यालय या उसके नजदीक स्थल पर स्वास्थ्य कर्मी/नर्स/डॉक्टर/कॉउन्सलर की उपलब्धता सुनिश्चित कर ली गयी है, जो छात्रों के शारीरिक एवं मानसिक स्थिति की जांच हेतु उपलब्ध रहेंगे।
- विद्यालय के शिक्षकों एवं छात्रों की नियमित स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गयी है।
- यदि विद्यालय में किसी छात्र अथवा स्टॉफ को कोरोना पॉजिटिव होने का संदिग्ध केस पाया जाता है, तो उसे विद्यालय में तत्काल आइसोलेट किया जायेगा और डाक्टर द्वारा परीक्षण किये जाने तक मास्क/फेसकवर सुनिश्चित किया जायेगा। छात्र–छात्राओं की पॉजिटिव रिपोर्ट होने की संदिग्धता की स्थिति में प्रोटोकाल के अनुसार कार्यवाही की जायेगी। प्रधानाध्यापक द्वारा बच्चे के अभिभावक तथा निकटस्थ चिकित्सालय को तत्काल सूचित किया जायेगा तथा डाक्टर के परामर्श के अनुसार कार्यावाही की जायेगी।
- अधिकतम उपस्थिति के लिए पुरस्कार/मानदेय जैसी गतिविधियाँ बन्द कर दी गयी हैं।
- अकादमिक कैलेण्डर को सभी कक्षाओं से सम्बन्धित परीक्षा के लिए योजनाबद्ध ढंग से लागू किया जा रहा है।
- सभी छात्र/अभिभावक/माता–पिता से उनके स्वास्थ्य संबंधी स्थिति/अद्यतन यात्रा (अंतर्राज्यीय

/अंतर्राष्ट्रीय) से संबंधित स्वघोषणा पत्र लिया जा रहा है।

- कैम्पस एवं आसपास के क्षेत्र में नियमित स्वास्थ्य एवं सफाई के पर्यवेक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। विद्यालय परिसर की प्रतिदिन सफाई की जा रही है। विद्यालय की सफाई व्यवस्था में विद्यार्थियों को नहीं लगाया जा रहा है।
- पर्यावरणीय सफाई प्रक्रिया का पालन करते हुए अपशिष्ट पदार्थों के निस्तारण, पेयजल एवं जल निकास का समुचित प्रबन्ध सुनिश्चित किया जा रहा है।
- सामान्यतः छुए जाने वाले तल यथा–दरवाजे की कुंडी, डैशबोर्ड, डस्टर, बेंच–डेस्क आदि की निरंतर सफाई एवं सेनेटाईजेशन किया जा रहा है।
- कचरा का निस्तारण डस्टबिन के माध्यम से ही किया जाता है।
- हाथ सफाई के स्थल पर साबुन एवं साफ पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की गयी है।
- बाथरूम एवं शौचालय को नियमित अंतराल पर सफाई करने के साथ ही विद्यार्थियों को घर से पानी की बोतल लाने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है।
- विद्यालयों में संचालित पुस्तकालय में भी 6 फीट की दूरी का पालन करते हुए बच्चों की उपस्थिति निर्धारित की जा रही है।
- सभी विद्यार्थी एवं विद्यालय के शिक्षक एवं कर्मी जो कार्य पर आ रहे हैं उन्हें नियमित रूप से मास्क पहनने

के निर्देश दिये गये हैं, विशेषकर उस समय जब वे क्लास में हैं, समूह में कोई कार्य कर रहे हैं, प्रयोगशाला में कार्य कर रहे हैं या पुस्तकालय में अध्ययन कर रहे हैं।

- बच्चों को परस्पर, एक दूसरे का मास्क अदला–बदली न करने का निर्देश दिया गया है।
- जहाँ तक सम्भव है विद्यालय द्वारा सम्पर्क विहीन उपस्थिति पद्धति/ऑनलाईन उपस्थिति प्रक्रिया को अपनाया गया है।
- सभी बच्चों को नाक, आँख, कान, मुंह आदि छूने से बचने एवं कफ सर्दी, बुखार आदि के बारे में जानकारी दी गयी है। यत्र–तत्र थूकने से भी प्रतिबंधित किया गया है।
- सभी सफाई स्टाफ/वर्कर के लिए आवश्यक उपकरण यथा–ग्लब्स, फेस कवर/मास्क, हाथ धोने के साबुन की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।
- विद्यार्थियों द्वारा पाठ्यपुस्तकें, नोटबुक, पेन, भोजन आदि एक दूसरे से साझा नहीं किये जाने के निर्देश दिये गये हैं।
- विद्यालय संचालन तक कक्षा–कक्ष के दरवाजे यथा आवश्यकतानुसार खुले रहते हैं।
- बाहरी वेंडर को विद्यालय के अंदर खाद्य सामग्री बेचने को प्रतिबन्धित किया गया है।
- विद्यालय परिवहन की बसों को प्रतिदिन दो बार (एक बार बच्चों को लाने के पहले एवं दूसरी बार स्कूल से प्रस्थान से पूर्व) सेनेटाइज किये जाने की व्यवस्था की गयी है।
- बस के चालक/उप चालक को हर समय भौतिक दूरी

बनाए रखने हेतु कहा गया है। भौतिक दूरी के पालन के लिए अधिक बसों को लगाया गया है।

- बस पर चढ़ते समय सभी बच्चों की थर्मल स्क्रीनिंग की भी व्यवस्था की गयी है।
- बिना मास्क के किसी को भी बस पर बैठने की अनुमति नहीं दी जा रही है। बस की सभी खिड़कियां खुली रखी जा रही हैं।
- विद्यार्थियों को अनावश्यक रूप से सतह छूने से बचने के लिए कहा गया है और बस में हैण्ड सेनेटाइजर की व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है।
- वाहन चालक व उसके सहायक से कोविड–19 से संक्रमित न होने एवं उसके परिवार के सदस्यों के भी

स्वस्थता संबंधी घोषणा पत्र अनिवार्य रूप से प्राप्त किये गये हैं।

**मध्यान्ह भोजन के सम्बन्ध में विशेष निर्देशों का पालन किया जा रहा है :**

❖ मध्यान्ह भोजन योजना के अन्तर्गत आच्छादित विद्यालयों में निर्धारित कोविड–19 प्रोटोकाल के अनुसार कार्यवाही सम्पादित की जा रही है। सामान्य प्रोटोकाल के साथ–साथ निम्नलिखित बिन्दुओं का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित किया जा रहा है :

- रसोइयों या उनके परिवार के सदस्यों के कोविड–19 से संक्रमित न होने/उनके उचित स्वस्थता संबंधी स्वयं का घोषणा पत्र प्राप्त किया गया है। रसोइयों को विद्यालय में प्रवेश करते हुए हाथों को सैनिटाइज कराने व अच्छी तरह से धुलवाने के उपरान्त प्रवेश दिया जा रहा है। सभी रसोइयों को रसोईघर में मास्क पहनना अनिवार्य है और किसी भी प्रकार के आभूषणों को पहनने की अनुमति नहीं है।
- रसोईघर में प्रयोग किये जाने वाले बर्तनों तथा खाद्यान्न/भोज्य पदार्थों को इस्तेमाल करने से पूर्व अच्छी तरह से साफ करवाया जा रहा है।
- भोजन वितरण से पूर्व बच्चों को पंक्तिबद्ध रूप में निर्धारित दूरी रखते हुए उनके हाथों को साबुन से धुलवा कर तथा पूर्व निर्धारित स्थान पर उचित दूरी के अनुसार बच्चों को पंक्तिबद्ध रूप से बैठाकर भोजन परोसा जा रहा है। बच्चों को हाथ धुलवाने के बाद उन्हें किसी कपड़े में पोछने के बजाय हवा में सुखाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। भोजन के उपरान्त बच्चों द्वारा पुनः मास्क लगाने के लिए कहा जा रहा है।
- मध्यान्ह भोजन के पूर्व एवं पश्चात हाथ धुलने के समय भी 6 फीट की दूरी का अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है।

- भोजन पकाने के प्रक्रिया में एकत्रित कूड़े को ढ़क्कनदार डस्टबिन में ही रखा जाता है। निकासी की भी सुदृढ़ व्यवस्था की गयी है। किसी भी स्थिति में पानी एकत्रित नहीं होने दिया जा रहा है। धोये गये बर्तनों को धूप में सुखाकर रसोईघर में ही रखवाया जा रहा है। भोजन पकाने में इस्तेमाल किये गये कपड़े, एप्रेन, हैडकवर, पोछा आदि को भी साबुन से धुलकर धूप में सुखाकर ही पुनः उपयोग में लाया जाता है। ◆

# ''प्रेरणा ज्ञानोत्सव''

## परिषदीय विद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता का एक अभिनव प्रयास

परिषदीय विद्यालयों में एक मार्च से 100 दिन के ''प्रेरणा ज्ञानोत्सव'' के आयोजन का शुभारम्भ किया गया है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़कर उनकी दक्षताओं को बढ़ाना है। प्रेरणा ज्ञानोत्सव के अन्तर्गत कक्षा एक से पांच तक के सभी विद्यार्थियों को न्यूनतम सीखने के लक्ष्यों को प्राप्त करना होगा। निर्धारित लक्ष्य इस प्रकार हैं।

### भाषा ज्ञान सम्बन्धी लक्ष्य

- **कक्षा–1 : निर्धारित सूची में से 5 शब्द सही से पहचान लेते हैं।**
- **कक्षा–2 : अनुच्छेद को 20 शब्द प्रति मिनट के प्रवाह से पढ़ लेते हैं।**
- **कक्षा–3 : अनुच्छेद को 30 शब्द प्रति मिनट के प्रवाह से पढ़ लेते हैं।**
- **कक्षा–4 : छोटे अनुच्छेद को पढ़कर 75 प्रतिशत प्रश्नों को सही हल कर पाते हैं।**
- **कक्षा–5 : बड़े अनुच्छेद को पढ़कर 75 प्रतिशत प्रश्नों को सही हल कर पाते हैं।**

### गणितीय योग्यता सम्बन्धी लक्ष्य

- **कक्षा–1 : निर्धारित सूची में से 5 संख्यायें सही से पहचान लेते हैं।**
- **कक्षा–2 : जोड़ एवं घटाना (एक अंकीय) के 75 प्रतिशत प्रश्नों को सही हल कर पाते हैं।**
- **कक्षा–3 : जोड़ एवं घटाना (हासिल के साथ) के 75 प्रतिशत प्रश्नों को सही हल कर पाते हैं।**
- **कक्षा–4 : गुणा के 75 प्रतिशत प्रश्नों को सही हल कर पाते हैं।**
- **कक्षा–5 : भाग के 75 प्रतिशत प्रश्नों को सही हल कर पाते हैं।**

इस अभियान के अन्तर्गत निम्नलिखित गतिविधियां संचालित की जायेंगी :

कोविड–19 वैश्विक महामारी के दृष्टिगत उत्तर प्रदेश में कक्षा 1 से 8 तक शिक्षा पा रहे छात्र–छात्राओं की शैक्षणिक गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े, इसके लिये बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा **''मिशन प्रेरणा की ई–पाठशाला''** का संचालन यथावत जारी रहेगा–

- ई–पाठशाला के संचालन में प्रत्येक कक्षा और विषय के लिए मासिक पंचांग के अनुसार कक्षावार एवं विषयवार शैक्षणिक सामग्री सप्ताह के **प्रत्येक सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को व्हाट्सएप ग्रुप्स के माध्यम से** शिक्षकों से साझा की जाएगी। राज्य स्तर से प्रेषित शैक्षणिक सामग्री के अतिरिक्त शिक्षक द्वारा भी मासिक पंचांग के अनुसार शैक्षणिक सामग्री बच्चों को उपलब्ध करायी जायेगी। साझा की गयी सामग्री द्वारा बच्चों को अभ्यास एवं हल करने के लिए निरन्तर प्रोत्साहित किया जायेगा।

- विभाग द्वारा निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें एवं कार्यपुस्तिकायें बच्चों को उपलब्ध करायी जा चुकी हैं। उक्त पाठ्य पुस्तकों पर आधारित राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा विकसित **वीडियो का प्रसारण दूरदर्शन के माध्यम से** किया जा रहा है। कक्षावार प्रसारण देखने के लिये बच्चों /अभिभावकों को निरन्तर प्रेरित किया जायेगा।
- विभाग द्वारा बच्चों के स्वयं सीखने एवं अभिभावकों को प्रेरित करने के लिए शिक्षकों के माध्यम से आवश्यक **शैक्षणिक सामग्री यथा–गतिविधि आधारित टी. एल.एम. तथा पाठ से सम्बंधित शैक्षणिक वीडियो** पूर्ववत् साझा किये जायेंगे।

- शिक्षक और अभिभावक के बीच संवाद स्थापित किया जायेगा तथा बच्चों के अभ्यास कार्य को व्हाट्सएप के माध्यम से प्राप्त कर अभिभावकों को बच्चों की प्रगति से अवगत कराते हुए फीड बैक प्रदान किया जायेगा।
- अध्यापकों द्वारा अभिभावकों से विद्यालय के **व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़ने, दूरदर्शन से प्रसारित शैक्षणिक कार्यक्रमों को देखने तथा दीक्षा एप डाउनलोड कर बच्चों को पढ़ने** हेतु प्रेरित करने के लिये अनुरोध किया जायेगा तथा दीक्षा एप पर उपलब्ध 4000 आडियो–विजुअल शिक्षण सामग्री के संबंध में पाठ्य पुस्तक में दिये गये क्यू.आर. कोड को स्कैन करके अध्ययन करने हेतु अवगत कराया जायेगा।

**''प्रेरणा ज्ञानोत्सव कैम्पेन'' का आयोजन :**

- विद्यालय खुलने के बाद प्राथमिक कक्षाओं के बच्चों में अपेक्षित अधिगम स्तर को प्राप्त करने के लिये राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा विकसित विशेष मॉड्यूल ''समृद्ध'' हस्तपुस्तिका (Remedial Teaching Plan) पर आधारित रिमिडियल टीचिंग संचालित की जायेगी, जिससे बच्चों द्वारा प्रेरणा सूची में निर्धारित दक्षतायें प्राप्त की जा सकें। ''समृद्ध'' हस्तपुस्तिका का प्रयोग करते समय शिक्षकों द्वारा निम्न बिन्दुओं का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- विद्यालय खुलने के उपरान्त **''समृद्ध''** हस्तपुस्तिका पर आधारित रिमिडियल शिक्षण करने के पूर्व हस्तपुस्तिका में दिये गये दिशानिर्देश के क्रम में समस्त बच्चों का भाषा एवं गणित का **प्रारम्भिक आकलन (Formative Assessment)** सुनिश्चित किया जायेगा, जिसे प्रेरणा तालिका में अंकित किया जायेगा। प्रेरणा तालिका का समय–समय पर ए.आर.पी. एवं एस. आर.जी. द्वारा प्रमाणीकरण भी किया जायेगा।

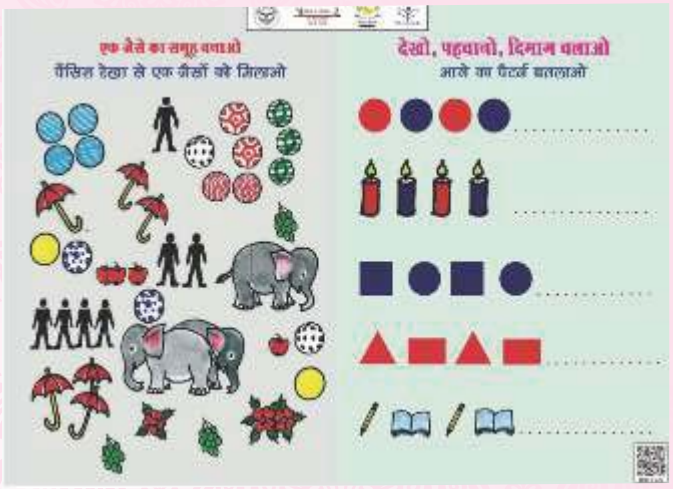


- **'समृद्ध'** हस्तपुस्तिका में कक्षाओं को स्तर के अनुसार 03 समूहों में विभाजित किया गया है :–

| समूह | गणित | हिन्दी |
|---|---|---|
| (1) | कक्षा 1 व 2 | कक्षा 1 |
| (2) | कक्षा 3 व 4 | कक्षा 2 व 3 |
| (3) | कक्षा 5 | कक्षा 4 व 5 |

उक्त हस्तपुस्तिकायें राज्य स्तर से मुद्रण के उपरान्त समस्त जनपदों को अतिशीघ्र उपलब्ध करा दी जायेंगी।

- बच्चों को अभ्यास का अवसर देने के लिये कक्षा–2 व 3 हेतु भाषा विषय की अभ्यास पुस्तिका विकसित की गयी है, जिसे राज्य स्तर से मुद्रण के उपरान्त समस्त जनपदों को अतिशीघ्र प्रेषित की जायेंगी।
- प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की क्षमता संवर्द्धन के दृष्टिगत ''समृद्ध'' हस्तपुस्तिका पर आधारित प्रशिक्षण भी दिया जायेगा।
- **अंतिम आकलन (Endline Assessment)** : ''समृद्ध'' हस्तपुस्तिका पर आधारित रिमिडियल शिक्षण करने के 100 दिन बाद समस्त बच्चों का अंतिम आकलन (Endline Assessment) **SAT-3** परीक्षा के आधार पर किया जायेगा तथा विद्यालय द्वारा प्रत्येक बच्चे का रिपोर्ट कार्ड तैयार की जायेगी एवं अभिभावकों की उपस्थिति में उक्त रिपोर्ट कार्ड बच्चों में वितरित की जायेगी।

- **गतिविधियाँ** : कोविड प्रोटोकाल के संबंध में उत्पन्न जिज्ञासाओं को दूर करने तथा मिशन प्रेरणा के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये अभियान मोड में कार्य किये जाने की आवश्यकता है। तत्क्रम में **''प्रेरणा ज्ञानोत्सव कैम्पेन''** के अंतर्गत निम्नलिखित गतिविधियां आयोजित की जायेंगी–
  - समस्त विद्यालयों में 'प्रेरणा उत्सव कैम्पेन' के अंतर्गत **100 दिन का विशेष अभियान (Campaign)** संचालित किया जा रहा है। यह अभियान विद्यालय खुलने के प्रथम दिवस से प्रारम्भ किया जायेगा तथा 100 दिन तक निरन्तर चलेगा।
  - अभियान को प्रारंभ करने के पूर्व खण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा सभी प्रधानाध्यापकों की बैठक आयोजित कर शिक्षा चौपाल के आयोजन हेतु विस्तृत चर्चा कर कार्ययोजना बनायी गयी है। उक्त कार्यक्रम में **ए.आर.पी., एस.आर.जी. एवं शिक्षक संकुल की विशेष भूमिका** रहेगी।
  - अभियान के अन्तर्गत प्रधानाध्यापक द्वारा नव गठित विद्यालय प्रबन्ध समिति (एस.एम.सी.) के सदस्यों की बैठक बुलाकर बैठक में विद्यालय संचालन के सम्बन्ध में **विस्तृत कार्ययोजना** बनाने हेतु **शिक्षा चौपाल का आयोजन** किया जायेगा।
  - विद्यालय द्वारा प्रत्येक **गांव/मोहल्ला में शिक्षा चौपाल का आयोजन** किया जायेगा, जिसमें एस. एम.सी. के समस्त सदस्य, अभिभावक एवं समुदाय के लोग क्रमवार प्रतिभाग करेंगे।
  - **प्रेरणा ज्ञानोत्सव** के आयोजन हेतु जनपद स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय टास्क फोर्स एवं उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में विकास खण्ड स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आहूत की जायेगी। बैठक में टास्क फोर्स के सदस्यों/अधिकारियों द्वारा शिक्षा चौपाल में प्रतिभाग किया जायेगा।
  - **जनपद/विकास खण्ड स्तरीय टास्क फोर्स के अधिकारियों, प्राचार्य, डायट एवं मण्डलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) द्वारा इस कैम्पेन के दौरान कम से कम 05–05 गाँवों में आयोजित शिक्षा चौपाल में प्रतिभाग किया जायेगा।**
  - प्रेरणा ज्ञानोत्सव के सफल क्रियान्वयन हेतु प्राचार्य, डायट की अध्यक्षता में एस.आर.जी., ए.आर.पी. एवं डायट मेण्टर्स की पाक्षिक बैठकें आहूत की जाती रहेंगी तथा सभी सम्बन्धित द्वारा प्रत्येक माह कम से कम 10–10 गाँवों में आयोजित शिक्षा चौपाल में प्रतिभाग किया जायेगा।
  - ''प्रेरणा ज्ञानोत्सव कैम्पेन'' के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने एवं लक्ष्यों को प्राप्त करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया जायेगा। उक्त कार्यक्रम के संचालन में मीडिया एवं जन प्रतिनिधियों को भी जोड़कर उनसे इस अभियान में सहयोग प्राप्त किया जायेगा।
  - अभिभावकों को जोड़ने के लिये शिक्षकों द्वारा गृह भ्रमण कर इस अभियान एवं कक्षा रूपान्तरण के बारे में उन्हें अवगत कराया जायेगा जिससे कि

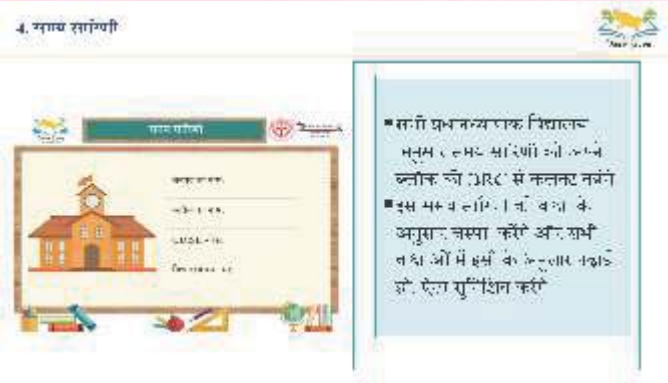

''प्रेरणा ज्ञानोत्सव अभियान'' को एक जन आन्दोलन का रूप दिया जा सके।

- कोविड प्रोटोकाल के संबंध में बच्चों एवं अभिभावकों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुये उन्हें जागरूक किया जायेगा।
- अभिभावकों से बच्चों के साथ समय बिताने, शैक्षणिक गृह कार्य पूर्ण कराने एवं बच्चों को लिखित कार्य के माध्यम से अभ्यास कराने पर चर्चा की जायेगी।
- दीक्षा ऐप डाउनलोड करने एवं पाठ्यपुस्तकों में दिये गये क्यू.आर. कोड को मोबाइल से स्कैन करके बच्चों को पढ़ने के लिये प्रेरित किया जायेगा।
- यदि बच्चा किसी अधिगम स्तर को नहीं प्राप्त कर सका है तो शिक्षकों से सम्पर्क करके उस अधिगम स्तर को प्राप्त करने के लिये बच्चों को प्रेरित किया जायेगा।
- शिक्षा चौपाल में मुख्य विकास अधिकारी की गरिमामयी उपस्थिति में ए.आर.पी./एस.आर.जी. द्वारा आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका पर Demo Class का प्रदर्शन किया जायेगा जिससे कि शिक्षकों एवं अभिभावकों को अभिप्रेरित किया जा सके।
- प्रत्येक शिक्षा चौपाल में **ए.आर.पी. अथवा शिक्षक संकुल की प्रतिभागिता** सुनिश्चित की जायेगी।
- कक्षा–कक्ष में सुधार **(Classroom Transformation)** हेतु विद्यालयों में शिक्षकों द्वारा अभिभावकों को छोटे–छोटे समूहों में बुलाकर अथवा गृह भ्रमण कर निम्नांकित बिन्दुओं पर चर्चा की जायेगी।
- अभिभावकों, जन–समुदाय एवं शिक्षकों को प्रेरणा लक्ष्य के संबंध में जागरूक किया जायेगा। मिशन प्रेरणा के अन्तर्गत प्रदेश को प्रेरक प्रदेश के रूप में विकसित किये जाने के लिये शिक्षकों एवं सभी हितधारकों को शपथ दिलायी जायेगी।
- बच्चों की रियल टाइम मॉनीटरिंग के लिये विद्यालयों में चस्पा करायी गयी प्रेरणा सूची एवं प्रेरणा तालिका का अवलोकन कराते हुए उनके बारे में अभिभावकों को विस्तृत जानकारी दी जायेगी।
- विशेषज्ञों द्वारा बुनियादी शिक्षा हेतु विकसित **आधारशिला मॉडयूल**, रिमीडियल टीचिंग हेतु **ध्यानाकर्षण मॉडयूल** एवं शिक्षकों के उपयोगार्थ **शिक्षण संग्रह** को क्लासरूम प्रैक्टिसेस में लागू किये जाने के संबंध में अभिभावकों को अवगत कराया जायेगा।
- सीखने के स्तर के आधार पर प्रत्येक बच्चे के लिये उपलब्ध करायी गयी कहानियों एवं कविताओं को समाहित करने वाली **'सहज'** पुस्तिका के बारे में अवगत कराया जायेगा।
- 'आधारशिला' मॉड्यूल के कक्षा–कक्ष में प्रभावी शिक्षण हेतु विकसित की गयी **'क्रियान्वयन संदर्शिकाओं'** में वर्णित समय–सारिणी, गतिविधियों आदि के माध्यम से संरचित शिक्षण (Structured Teaching Plans) विधियों के बारे में चर्चा की जायगी।
- गणित विषय के लर्निंग गोल्स प्राप्त किये जाने के दृष्टिगत विद्यालयों को उपलब्ध कराये गये गणित किट का प्रदर्शन भी अभिभावकों के सम्मुख किया जायेगा।
- प्रभावी कक्षा–शिक्षण एवं पाठ्य योजना की तैयारी के लिये सभी शिक्षकों को उपलब्ध करायी गयी

व्यक्तिगत शिक्षक डायरी के संबंध में अभिभावकों को भी अवगत कराया जायेगा।

- शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को रोचक एवं बाल–केन्द्रित बनाने में प्रिंट–रिच कक्षा–कक्ष अत्यन्त मददगार होते हैं। साथ ही शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में इनका उपयोग करके शिक्षक पूरी प्रक्रिया को बाल अधिगम केन्द्रित बना सकते हैं। तत्क्रम में विभाग द्वारा कक्षा–कक्षों के लिये आकर्षक पोस्टर्स, वार्तालाप चार्ट (Conversation Charts), टी.एल.एम. आदि शैक्षणिक सामग्री विकसित करके विद्यालयों को उपलब्ध करायी गयी है, जिससे कि बच्चे चर्चा–परिचर्चा करते हुए भाषा ज्ञान एवं मौखिक भाषा विकास का सहज

ज्ञान प्राप्त कर सकें। उक्त सामग्री का अभिभावकों को अवलोकन कराकर उसकी उपयोगिता के बारे में चर्चा तथा चार्ट एवं पोस्टर्स के माध्यम से भाषा ज्ञान एवं मौखिक भाषा विकास के संबंध में अवगत कराया जायेगा

- विद्यालयों में समृद्ध मॉडयूल (रिमिडियल टीचिंग पैकेज) पर आधारित शिक्षण कार्य को अभिभावकों से साझा किया जायेगा।
- कक्षा 1 से 5 के समस्त अध्यायों हेतु 20,000 से अधिक पाठ योजनायें विकसित की गयी हैं एवं सर्वश्रेष्ठ पाठ योजना का चयन कर प्रेरणा पोर्टल पर अपलोड भी किया गया है। बुनियादी शिक्षा हेतु पाठ योजना पृथक से उपलब्ध करायी जा रही है। उक्त के संबंध में अभिभावकों को भी सूचित किया जायेगा।
- विद्यालयों में स्थापित किये गये समृद्ध एवं विषयवार क्रियाशील पुस्तकालय का अभिभावकों को अवलोकन कराया जायेगा तथा बच्चों को निरन्तर पुस्तकें पढ़ने के लिये प्रेरित किया जायेगा।
- बच्चों की प्रगति एवं आकलन के सम्बन्ध में आयोजित की गयी **सैट परीक्षा** के लिये वितरित किये गये रिपोर्ट कार्ड के बारे में अभिभावकों को जानकारी दी जायेगी।
- अभिभावकों को बाल संसद के गठन तथा उसकी उपयोगिता के बारे में अवगत कराया जायेगा तथा अभिभावकों के समक्ष बाल संसद द्वारा किये जा रहे कार्यों का प्रदर्शन भी किया जायेगा।
- विद्यालय प्रबन्ध समिति एवं अभिभावकों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए विद्यालयी गतिविधियों में उनकी प्रतिभागिता सुनिश्चित की जायेगी।
- विस्तृत टाइम एण्ड मोशन स्टडी के आधार पर शिक्षण दिवसों एवं घण्टों (अवधि) में बढ़ोत्तरी की गयी है। साथ ही विद्यालय स्तरीय पंजिकाओं को युक्तिसंगत बनाये जाने, ग्रीष्म/शीतकाल की समय–सारिणी, विद्यालय अवधि, प्रार्थना सभा आदि के संबंध में अभिभावकों को अवगत कराया जायेगा।
- अभिभावकों से दीक्षा एवं रीड एलांग ऐप **डाउनलोड कर बच्चों को पढ़ने** हेतु प्रेरित करने के लिये अनुरोध किया जायेगा।
- राज्य स्तर से संचालित व्हाट्स–ऐप ग्रुप के माध्यम से नियमित प्रेषित की जाने वाली शैक्षणिक सामग्री के उपयोग के संबंध में अभिभावकों से अनुरोध किया जायेगा।
- शैक्षणिक गतिविधियों के सुचारू संचालन के दृष्टिगत दूरदर्शन के माध्यम से बच्चों के लिए

कक्षावार 30 मिनट प्रति कक्षा, प्रतिदिन पूर्वान्ह 9:00 बजे से अपरान्ह 1:00 बजे तक (04 घण्टे) प्रसारित किये जा रहे शैक्षणिक कार्यक्रमों को बच्चों को दिखाने के लिये अभिभावकों को प्रेरित किया जायेगा।

- विद्यालयों को शैक्षिक व सह–शैक्षिक गतिविधियों जैसे–लर्निंग आउटकम आधारित आकलन, सूचनाओं/सुझावों के आदान–प्रदान, संकुल के विद्यालयों की अकादमिक बैठकें, संकुल के विद्यालयों को 'आदर्श विद्यालय' के रूप में विकसित करने एवं अन्य कार्यों के लिये शिक्षक संकुल के गठन के सम्बन्ध में अभिभावकों को अवगत कराया जायेगा।
- विद्यालयों को ऑनसाइट शैक्षिक एवं अकाद्मिक सहयोग देने हेतु प्रति विकासखण्ड 5 एकेडमिक रिसोर्स परसन तथा प्रति जनपद 3 स्टेट रिसोर्स ग्रुप की व्यवस्था के संबंध में अभिभावकों को अवगत कराया जायेगा।
- बेसिक शिक्षा द्वारा आई.सी.डी.एस. के साथ समन्वय स्थापित कर प्री–प्राइमरी के बच्चों की उच्च प्राथमिक स्तर तक की शिक्षा के सार्वभौमिकरण हेतु कार्ययोजना बनायी गयी है। प्री–प्राइमरी के पाठ्यक्रम का निर्माण किया जा चुका है तथा इसके आधार पर बच्चों के लिये 'एक्टिविटी बुक' तैयार की गयी है, जिसके बारे में अभिभावकों को अवगत कराया जायेगा
- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2021–22 से चरणबद्ध रूप में एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यक्रम लागू करने का निर्णय लिया गया है। तत्क्रम में वर्ष 2021–22 में कक्षा–1 में एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यक्रम लागू किये जाने के संबंध में अभिभावकों को अवगत कराया जायेगा।
- 'शारदा' प्रणाली के अन्तर्गत विद्यालय से बाहर के बच्चों के चिन्हीकरण, पंजीकरण एवं नामांकन हेतु कार्यक्रम **'शारदा' (SHARDA) स्कूल** हर दिन आयें के संबंध में अभिभावकों को जागरूक किया जायेगा।

शिक्षकों के क्लासरूम टीचिंग में सहयोग के लिए 3 हस्तपुस्तिकाएं बनाई गयी हैं

- समावेशी शिक्षा के अन्तर्गत विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों (दिव्यांग) की शिक्षा स्पेशल एजूकेटर्स के माध्यम से करायी जा रही है। ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से दिव्यांग बच्चों के चिन्हीकरण, ट्रैकिंग तथा मुख्यधारा से जोड़ने हेतु 'समर्थ' कार्यक्रम के संबंध में अभिभावकों को जागरूक किया जायेगा।
- राज्य के लगभग 5000 परिषदीय विद्यालयों में स्मार्ट क्लासेज की स्थापना की जा चुकी है। समुदाय के सहयोग से स्मार्ट टी.वी., कम्प्यूटर, प्रोजेक्टर आदि का दान प्राप्त कर परिषदीय विद्यालय की कक्षाओं को स्मार्ट क्लास में रूपान्तरित करने एवं डिजिटल शिक्षण प्रणाली को और अधिक सशक्त बनाने के लिये समुदाय, एन.जी.ओ., निजी कंपनियों से सहयोग प्राप्त करने के लिये सभी सम्बन्धित से अनुरोध किया जायेगा।

उपर्युक्त गतिविधियों एवं परिवर्तित कक्षा–कक्ष के स्वरूप से अभिभावकों को अवगत कराया जायेगा तथा बच्चों के गृह कार्य एवं शैक्षणिक कार्यों में प्रतिभागी बनाने के लिये उन्हें निरन्तर प्रेरित किया जायेगा। **''प्रेरणा ज्ञानोत्सव कैम्पेन''** को सफल एवं **जन आंदोलन** बनाने के लिये जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, खण्ड शिक्षा अधिकारी एवं ए.आर.पी./एस.आर.जी. द्वारा विशेष प्रयास सुनिश्चित किये जायेंगे।

आइये हम सब मिलकर **''प्रेरणा ज्ञानोत्सव अभियान''** को सफल बनाने में अपना योगदान दें।◆

# सामुदायिक सहभागिता के अर्न्तगत कार्यों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण

## परिषदीय विद्यालयों में निःशुल्क शिक्षा

परिषदीय विद्यालयों में सामुदायिक सहभागिता के अर्न्तगत सभी बच्चों को निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिये मिशन मोड में समयबद्ध कार्यों का सम्पादन प्रभावी ढंग से सम्पन्न किया जा रहा है। विद्यालयों में बच्चों को स्कूल ड्रेस, जूता, मोजा, स्वेटर, स्कूल बैग, पुस्तकें तथा कॉपियाँ उपलब्ध करायी जा रही हैं। इस वर्ष कोविड के बावजूद निम्न कार्य किये गये हैं।

### स्कूल ड्रेस, स्कूल बैग व अन्य आवश्यकता की वस्तुयें उपलब्ध कराना :

बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश में संचालित परिषदीय प्राथमिक/उच्च प्राथमिक विद्यालयों, राजकीय विद्यालयों, अशासकीय सहायता प्राप्त प्राथमिक/उच्च प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों, समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित राजकीय व सहायता प्राप्त विद्यालयों एवं सहायता प्राप्त मदरसों में अध्ययनरत् कक्षा 1 से 8 तक के समस्त बालकों एवं बालिकाओं को निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें एवं कार्यपुस्तिका उपलब्ध करायी गयी है। इस वर्ष 180.92 लाख बच्चों का निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध करायी गयी हैं। पुस्तकों के साथ–साथ विद्यालयों में अध्ययनरत सभी बालक एवं बालिकाओं (के.जी.बी.वी. सहित), दो सेट निःशुल्क यूनीफार्म का वितरण बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा किया गया है। इस वित्तीय वर्ष में 150.74 लाख छात्र/छात्राओं को दो सेट निःशुल्क यूनीफार्म उपलब्ध करायी गयी हैं।

- कोविड–19 के कारण विद्यालय बन्द होने के दृष्टिगत अभिभावकों को छोटे–छोटे समूहों में विद्यालयों में आमंत्रित कर कुल 17932081 छात्र/छात्राओं के सापेक्ष 17917799 बच्चों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें एवं यूनीफार्म उपलब्ध कराया गया है।
- बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्र/छात्राओं को निःशुल्क स्वेटर (विन्टर यूनीफार्म) उपलब्ध कराया गया है। वर्ष 2020–21 में परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत् 15963469 छात्र/छात्रओं को निःशुल्क स्वेटर उपलब्ध कराया गया है।

- बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत् सभी छात्र/छात्राओं को निःशुल्क जूता–मोजा उपलब्ध कराया गया है।
- बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्र/छात्राओं को निःशुल्क स्कूल बैग उपलब्ध कराया गया है।

### सामुदायिक सहभागिता के अर्न्तगत कराये गये महत्वपूर्ण कार्यः

- प्रदेश के 75 जनपदों में जनप्रतिनिधियों एस.एम.सी. सदस्यों तथा अध्यापकों के सहयोग से स्कूल चलों अभियान कार्यक्रम संचालित कर बच्चों का नामांकन कराया गया।
- प्रदेश के 75 जनपदों में ऑल इण्डिया रेडियों के माध्यम

से समुदाय एवं विद्यालय प्रबन्ध समिति के सदस्यों को उनके कार्य एवं दायित्वों के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से सप्ताह के दो दिन (सोमवार एवं बुधवार) को 52 एपिसोड के माध्यम से ''जनपहल'' कार्यक्रम का प्रसारण किया गया।

- राज्य स्तर पर विद्यालय प्रबन्ध समिति के प्रशिक्षण हेतु 150 मास्टर ट्रेनर्स एवं ब्लॉकस्तर पर 3.15 लाख

विद्यालय प्रबन्ध समिति के सचिव एवं अध्यक्ष को प्रशिक्षित किया गया। प्रत्येक विद्यालय की प्रबन्ध समिति के सदस्यों को भी प्रशिक्षित किया गया।

- प्रदेश के 75 जनपदों में विद्यालय प्रबन्ध समिति की बैठकों के कार्यवृत्त को दर्ज करने हेतु एस.एम.सी. बैठक रजिस्टर उपलब्ध कराया गया।

## विद्यालयों की गतिविधियों का थर्ड पार्टी मूल्यांकन :

बेसिक शिक्षा के अन्तर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं यथा–कस्तूरबा गांधी विद्यालय का संचालन, दिव्यांग बच्चों हेतु एक्सीलेरेटेड लर्निंग कैम्प, विद्यालयों के संचालन हेतु कम्पोजिट ग्राण्ट का उपयोग, लर्निंग आउटकम, विद्यालय प्रबन्ध समिति की मासिक बैठक की स्थिति, बच्चों को उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं जैसे–निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें, निःशुल्क यूनीफार्म, स्वेटर, जूता एवं मोजा, मध्यान्ह भोजन तथा विद्यालयों की अवस्थापना, इत्यादि के साथ–साथ जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के कार्यालयों तथा खण्ड शिक्षा अधिकारियों के कार्यालय में कार्यों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन का सत्यापन एवं मूल्यांकन प्रदेश के प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थानों के माध्यम से कराया जा रहा है। इस थर्ड पार्टी मूल्याँकन की रिपोर्टों का अध्ययन कर कार्यक्रमों के संचालन में दृष्टिगत होने वाली कठिनाइयों के

निस्तारण एवं अपेक्षित सुधारात्मक कार्यवाहियों से कार्यक्रमों का प्रभावी ढंग से संचालन सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है।

## शारदा कार्यक्रम :

- शारदा कार्यक्रम के अन्तर्गत 5.70 लाख बच्चों का चिन्हाकंन किया गया है। जिसके सापेक्ष 5.42 लाख बच्चों का आयु संगत कक्षा में नामांकन कराया गया है। नामांकन के उपरान्त बच्चों का स्कूल रजिस्ट्रेशन नम्बर शारदा पोर्टल पर अपलोड किया जा रहा है।
- आउट ऑफ स्कूल बच्चों के नामांकन के उपरान्त विशेष प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रबन्धन हेतु प्रत्येक विद्यालयों में एक नोडल अध्यापक को नामित कराना तथा नोडल अध्यापक का विवरण शारदा पोर्टल पर अपलोड कराया जा रहा है।
- प्रत्येक परिषदीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों से 1–1 नोडल अध्यापक का प्रशिक्षण राज्य स्तर से प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स द्वारा कराया जायेगा।

- नोडल अध्यापक द्वारा आउट ऑफ स्कूल बच्चों को रिमिडियल टीचिंग के माध्यम से विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।
- समस्त दिव्यांग आउट ऑफ स्कूल बच्चों का विद्यालय में नामांकन कराते हुए दिव्यांग बच्चों को दी जाने वाली सुविधाओं तथा उपकरण उपलब्ध कराये जा रहे हैं तथा समस्त बच्चों का विवरण **समर्थ पोर्टल** के माध्यम से ट्रैक किया जा रहा है।
- प्रत्येक विकास खण्ड के खण्ड शिक्षा अधिकारी को यह जिम्मेदारी दी जा रही है कि स्पेशल एजुकेटर एवं नोडल अध्यापक के माध्यम से नामांकित आउट ऑफ स्कूल बच्चों का आंकलन करायें। समस्त बच्चों को आवश्यकतानुसार रेमिडियल टीचिंग उपलब्ध करायी जा रही है।
- आउट ऑफ स्कूल बच्चों एवं दिव्यांग बच्चों की नियमित उपस्थिति की ट्रेकिंग हेतु अध्यापकों द्वारा गृह भ्रमण कर अभिभावकों से संपर्क किया जा रहा है।
- आउट ऑफ स्कूल बच्चों को विद्यालय में नामांकित होने के उपरान्त बच्चों को दी जाने वाली सुविधायें यथा–यूनिफार्म, पाठ्य पुस्तक, स्वेटर, जूता–मोजा, स्कूल बैग आदि उपलब्ध कराया जा रहा है। ◆

सौजन्य से,

**माधव जी तिवारी**
वरिष्ठ विशेषज्ञ
यूनिट प्रभारी
सामुदायिक शिक्षा

# कोरोना जागरूकता

स्वयं सुरक्षा, जीवन रक्षा
आज तुम्हें सिखलाते हैं।
कैसे कोरोना से बचना है
आज तुम्हें बतलाते हैं।।

घर से बाहर तुम ना जाना
किसी से ना तुम हाथ मिलाना
बार–बार हाथों को धोना
रगड़–रगड़ कर खूब नहाना
रोज नहाने से सारे जीवाणु, मर जाते हैं।
कैसे कोरोना से बचना है
आज तुम्हें बतलाते हैं।

सोशल डिस्टेसिंग अपनाना
हाथ धोकर ही कुछ खाना।
जुकाम, खांसी, यदि बुखार हो
डॉक्टर से तुम जाँच कराना
जब भी बाहर जाना हो, मुँह पर मास्क लगाते हैं
कैसे कोरोना से बचना है
आज तुम्हे बतलाते हैं।

सरकार की पहल अनोखी
आरोग्य सेतु एप उपयोगी
झट से हमको बतला देता
नजदीक हो जो कोरोना रोगी
कोरोना से बचाव है यदि गाइड लाइन अपनाते हैं।
कैसे कोरोना से बचना है
आज तुम्हें बतलाते हैं।

स्वयं सुरक्षा, जीवन रक्षा
आज तुम्हें सिखलाते हैं।
कैसे कोरोना से बचना है
आज तुम्हें बतलाते हैं।।

**रीनू पाल**
सहायक अध्यापक
प्रा.वि. दिलावलपुर,
देवमई, फतेहपुर

# विद्यालयों में 'समर्थ कार्यक्रम'

## (गुणवत्तापूर्ण समावेशी शिक्षा की ओर सार्थक कदम)

दिव्यांग बच्चों को गुणवत्तायुक्त समावेशी शिक्षा प्रदान किये जाने हेतु राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा ''समर्थ तकनीकी प्रणाली'' विकसित की गयी है। इस प्रणाली में प्रदेश के 6–14 आयु वर्ग के समस्त दिव्यांग बच्चों को गुणवत्तापरक समावेशी शिक्षा के लिए 'समर्थ' मोबाइल बेस्ड इंटीग्रेटेड प्रणाली अपनाई गयी है। इससे अध्ययनरत व आउट ऑफ स्कूल विभिन्न प्रकार के दिव्यांग बच्चों का चिन्हीकरण व पहचानने की प्रक्रिया में आसानी होगी। समर्थ प्रणाली के द्वारा दिव्यांग बच्चों की ट्रैकिंग कर उन्हें समावेशी शिक्षा उपलब्ध करायी जायेगी।

समर्थ मोबाइल बेस्ड इंटीग्रेटेड प्रणाली के उपयोग से लगभग 5–6 लाख दिव्यांग बच्चों को मुख्य धारा में लाने का प्लान तैयार करने तथा लागू करने में किया जायेगा। दिव्यांग बच्चों के डाटाबेस की एनालिसिस के आधार पर उन्हें पर्याप्त एवं आवश्यक सपोर्ट सेवायें तथा उपकरण/यंत्र उपलब्ध कराये जायेंगे। इस प्रणाली से परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत अर्ह दिव्यांग बालिकाओं को स्टाइपेण्ड प्रदान किये जाने एवं गम्भीर रूप से दिव्यांग तथा बहुदिव्यांगता से प्रभावित दिव्यांग बच्चों को एस्कार्ट एलाउंस दिये जाने हेतु चिन्हांकन की प्रक्रिया पूर्ण कर उन्हें आवश्यक सहायता प्रदान की जा सकेगी।

आउट ऑफ स्कूल गम्भीर रूप से दिव्यांग बच्चों को गृह आधारित शिक्षा के लिए ट्रैकिंग कर स्पेशल एजूकेटर द्वारा बौद्धिक दिव्यांग, वाक् श्रवण दिव्यांग तथा दृष्टि दिव्यांग बच्चों के लर्निंग लेवल की ट्रैकिंग कर वैयक्तिक शैक्षिक योजना तैयार की जायेगी।

वैयक्तिक शैक्षिक योजना के आधार पर बच्चों के शैक्षिक संप्राप्ति के लिए दीर्घ व लघु लक्ष्य निर्धारित कर बच्चों को शिक्षित–प्रशिक्षित किया जायेगा और दिव्यांग बच्चों हेतु समावेशी शिक्षा और विभिन्न कार्यक्रमों की मॉनिटरिंग व रिपोर्टिंग भी की जा सकेगी। आउट ऑफ स्कूल दिव्यांग बच्चों का शारदा पोर्टल पर चिन्हांकन एवं नामांकन किया जा सकेगा। परिषदीय विद्यालयों में संचालित समेकित शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत दिव्यांग बच्चों की शिक्षा, सहायक उपकरण, छात्रवृत्ति और स्कार्ट के लिये अलग से भत्ता दिये जाने के प्रावधान हैं। दृष्टि बाधित, श्रवण बाधित छात्रों के लिये विशेष प्रकार के दक्ष शिक्षकों द्वारा ऐसे छात्रों को शिक्षित किये जाने का कार्य किया जा रहा है।◆

**समर्थ कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 21 फरवरी, 2021 को विकास खण्ड इटवा जनपद सिद्धार्थनगर के ब्लाक संसाधन केन्द्र परिसर में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. सतीश चन्द्र द्विवेदी द्वारा ट्राई साइकिल एम.आर. किट, श्रवण यंत्र, स्टिक कैलीपर्स और व्हील चेयर का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 277 बच्चे लाभान्वित हुये।**

# उपकरण पाकर खिले दिव्याँग बच्चों के चेहरे

## (जनपद–सीतापुर)

समग्र शिक्षा अभियान के अन्तर्गत चलाई जा रही ''समेकित शिक्षा'' योजना के माध्यम से जनपद सीतापुर, विकास खण्ड–बिसवाँ, ब्लाक संसाधन केन्द्र पर दिनाँक 27 फरवरी, 2021 को परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण कर रहे दिव्याँग बच्चों को सहायक उपकरण वितरित करने का

कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिसवाँ विधान सभा क्षेत्र के विधायक श्री महेन्द्र सिंह यादव ने कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलित करके किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सीतापुर के जिला विकास अधिकारी श्री राकेश चन्द्र पाँडे व राज्य शैक्षिक तकनीकी संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी श्री विनोद सिंह थे। कार्यक्रम को बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री अजीत कुमार सिंह ने सम्बोधित किया।

कार्यक्रम में विकास खण्ड बिसवाँ, महमूदाबाद, लहरपुर

और सिधौली के 602 दिव्याँग बच्चों को 649 सहायक उपकरण वितरित किये गये। सहायक उपकरण प्राप्त करने वाले बच्चों में 88 को ट्राई साइकिल, 125 को व्हील चेयर, 16

बच्चों को वैशाखी, 2 को रोलेटर, 121 को एम.आर. किट, 28 बच्चों को ब्रेल किट, 33 को ब्रेल केन, 5 को ए.डी.एल. किट और 210 बच्चों को श्रवण यंत्र प्रदान किये गये।

समग्र शिक्षा की समेकित योजना के ही अन्तर्गत 1 मार्च, 2021 को इसी प्रकार का कार्यक्रम एलिम्को कम्पनी के विशेषज्ञों की सहायता से पूर्व माध्यमिक विद्यालय दौलतपुर, तहसील मिश्रिख में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में

विकास खण्ड मिश्रिख, मछरेहटा, पिसाँवां, महोली, गोंदलामऊ, खैराबाद, कसमण्डा, सिधौली और परसेंडी के परिषदीय विद्यालयों में पढ़ रहे 283 दिव्याँग बच्चों को सहायक उपकरण वितरित किये गये।

समग्र शिक्षा के अन्तर्गत चलायी जा रही समेकित शिक्षा योजना के अन्तर्गत दिव्याँग बच्चों की शिक्षा–दीक्षा के लिये उन्हें सहायक उपकरण, स्कॉलरशिप और स्पेशल एजूकेटर के माध्यम से मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया जा रहा है। योजना के अन्तर्गत ऐसे बच्चों को इन सभी सुविधाओं के साथ–साथ, ड्रेस, जूता–मोजा, स्कूल बैग, पुस्तकें–कापियाँ भी निःशुल्क प्रदान की जा रही है। विद्यालय आने में भी उनकी सहायता के लिये रैम्प बनवाये गये हैं। जो बच्चे अपने आप स्कूल नहीं आ पाते उनके लिये सहायके रखने के लिये अलग से 500/– महीने कुल 10 महीने हेतु 5000/– रूपये की सहायता दी जाती है। ◆

सौजन्य से,
**श्री विनोद सिंह**
प्रशासनिक अधिकारी
राज्य शैक्षिक तकनीकी संस्थान
उत्तर प्रदेश

# छात्र प्रगति पत्र (रिपोर्ट कार्ड)

## गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की ओर बढ़ता एक कदम

परिषदीय विद्यालयों के अध्ययनरत छात्रों में शैक्षिक गुणवत्ता बढ़ाने के लिये प्रत्येक स्तर पर प्रयास किये जा रहे हैं इसके लिये शिक्षकों को आधुनिक तकनीक की शिक्षण गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है वहीं छात्रों को मिशन प्रेरणा के अन्तर्गत कक्षा–1 से कक्षा–5 तक हिन्दी और गणित के ज्ञान के लिये मानक भी निर्धारित किये गये हैं। मिशन प्रेरणा में निर्धारित मानकों के अनुरूप विद्यालयों में ऑनलाइन और ऑफ लाइन शिक्षण गतिविधियाँ नियमित रूप से चलाई जा रही हैं। मानकों के अनुरूप छात्रों के ज्ञानार्जन के परीक्षण के लिये परीक्षायें भी आयोजित की जा रही हैं। परीक्षाओं के आधार पर छात्रों के लर्निंग आउटकम को रिपोर्ट कार्ड के रूप में छात्रों और अभिभावकों से साझा करने के उद्देश्य से समग्र शिक्षा अभियान द्वारा एक अभिनव रंगीन रिपोर्ट कार्ड तैयार कराया गया जिसका नाम ''छात्र प्रगति पत्र'' है।

इस रिपोर्ट कार्ड में एक तरफ विद्यालय का नाम, विकासखण्ड, जनपद का नाम, विद्यालय का कोड, छात्र का नाम, कक्षा, प्रवेशाँक जन्म की तारीख, माता का नाम, पिता का नाम, कक्षा अध्यापक, प्रधानाचार्य और खण्ड शिक्षा अधिकारी का नाम व फोन नम्बर लिखे जायेंगें। वहीं दूसरी तरफ बच्चे के विषयवार प्रदर्शन का विवरण अंकित होगा। यह ''छात्र प्रगति पत्र'' खण्ड शिक्षा अधिकारी से प्रधानाध्यापक और प्रधानाध्यापक से छात्र और उसके अभिभावक को दिया जायेगा। ताकि छात्र की प्रगति में अभिभावकों को भी भागीदार बनाया जा सके।

रिपोर्ट कार्ड में परीक्षा के आधार पर छात्रों को ए से लेकर ई तक के ग्रेड दिये जायेंगें। इसमें 100 अंक पाने वाले छात्र को ए प्लस ग्रेड, 90 प्रतिशत से ऊपर अंक प्राप्त करने वाले छात्र को ए ग्रेड, 75 प्रतिशत से 89 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले छात्र को बी, 60 प्रतिशत से 74 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले छात्र को सी ग्रेड तथा इससे भी कम अंक प्राप्त करने वाले छात्र को क्रमशः डी और ई ग्रेड दिये जायेंगे।

इस रिपोर्ट कार्ड से छात्रो में प्रतिस्पर्धा का विकास होगा। उनमें अध्ययन के प्रति लगन बढ़ेगी। रिपोर्ट कार्ड के माध्यम से अभिभावकों से बच्चे की प्रगति साझा की जायेगी। रिपोर्ट कार्ड के आधार पर जो बच्चे प्रेरणा मानक के अनुरूप प्रदर्शन नहीं करेंगें उनके लिये रिमीडियल टीचिंग माड्यूल (ध्यानाकर्षण) का विकास किया गया है जो विद्यालयों को उपलब्ध करा दिया गया है। क्लास रूम में ऐसे छात्रों को मानक के अनुरूप शिक्षा देने के लिये ''टीचिंग कम्पेन्डियन'' शिक्षण संग्रह तथा प्राथमिक कक्षाओं के लिये आधारशिला माड्यूल तैयार कराकर विद्यालयों को उपलब्ध करा दिये गये हैं।

छात्रों का मूल्याँकन अब प्रत्येक त्रैमास में किया जायेगा। रिपोर्ट कार्ड मिलने से परिषदीय विद्यालयों के छात्र भी पब्लिक स्कूल के छात्रों की तरह गौरान्वित होंगें और उनमें शिक्षा के प्रति लगाव व प्रतिस्पर्धा विकसित होगी। ◆

# "समृद्ध कार्यक्रम"

## अधिगम स्तर बढ़ाने की दिशा में एक पहल

साल 2020 में हमने कुछ ऐसा देखा, सुना और महसूस किया जा हमारे लिए बिल्कुल ही नया था। कोविड–19 का असर देश–दुनिया के सभी क्षेत्रों और हमारे जिंदगी के अनेक पहलुओं पर पड़ा। इसकी वजह से हम सभी ने पहली बार देशव्यापी लॉकलाडन का सामना भी किया। उत्तर प्रदेश भी इस देशव्यापी लॉकडाउन का हिस्सा बना और यहाँ के सभी शैक्षिक संस्थानों को उन्हीं चुनौतियों का सामना करना पड़ा जिसमें भारतवर्ष के सभी शैक्षिक संस्थान साल भर प्रभावित रहे। मार्च माह से बंद हुए स्कूल साल के अंत तक भी खुल नहीं पाए।

स्कूल नहीं खुलने के कारण बच्चों के अधिगम स्तरों में गिरावट आई है और उपयुक्त अधिगम स्तर को पाने एवं इसे बरकरार रखने के लिए भी पर्याप्त समय नहीं मिल पाया है। उत्तर प्रदेश सरकार एवं समग्र शिक्षा ने इस समस्या का उचित हल निकालने के लिए मिशन प्रेरणा के अन्तर्गत 'समृद्ध कार्यक्रम' की संकल्पना की है। इस कार्यक्रम में कक्षा 1–5 तक, भाषा एवं गणित के विषयों पर व्यवस्थित तरीके से कार्य करते हुए बच्चों के तत्कालीन अधिगम स्तरों को आगे बढ़ाने पर कार्य किया जाना प्रस्तावित है। समृद्ध कार्यक्रम की शिक्षण योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के सभी स्कूलों में सुनियोजित तरीके से कार्य करते हुए प्रेरणा सूची की कुछ निर्धारित दक्षताओं पर कार्य किया जाएगा।

### समृद्ध कार्यक्रम के निम्नलिखित उद्देश्य हैं :–

- योजनाबद्ध तरीके से शिक्षण करते हुए विद्यार्थियों को न्यूनतम अधिगम स्तर तक ले जाना।
- आगामी वर्ष के नए अकादमिक सत्र के लिए विद्यार्थियों को बेहतर रूप से तैयार करना।

भाषा शिक्षण की यह विशेष योजना कुल 8 सप्ताहों में पूरी की जाएगी। प्रतिदिन कुल 3 कालांशों में विद्यार्थियों के साथ योजनाबद्ध तरीके से शिक्षण कार्य किया जाएगा।

प्रत्येक कालांश में कुल 40 मिनट होंगे, अर्थात कक्षा–1 में भाषा शिक्षण के लिए कुल 120 मिनट होंगे। इस समय विभाजन पर हम भाग–2 में समृद्ध कार्यक्रम की शिक्षण योजना एवं कार्ययोजना, पाठ–5 भाषा शिक्षण पर कार्य (कालांश विवरण सहित) के बारे में बात करेंगे।

8 सप्ताहों की शुरूआत शून्य सप्ताह से की जाएगी। इस सप्ताह में बच्चों को सहज महसूस कराने के लिए विभिन्न गतिविधियाँ की जाएंगी। इन गतिविधियों से बच्चों और शिक्षकों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध बनेंगें। बच्चों को एक दूसरे को समझने में और जानने में मदद मिलेगी। इससे कक्षा में भयरहित वातावरण भी बनेगा और बच्चे आने वाले 8 सप्ताहों की कार्य योजना से बेहतर जुड़ पाएगें। इसके अवलोकन से शिक्षकों को यह भी पता

चलेगा कि किन बच्चों को भावनात्मक रूप से ज्यादा सहयोग की जरूरत पड़ सकती है।

8 सप्ताहों की शिक्षण योजना के अंतर्गत प्रेरणा सूची की कुछ निर्धारित दक्षताओं को केंद्र में रखकर मौखिक भाषा विकास एवं डिकोडिंग पर कार्य किया जाएगा। इन पर कार्य करने के लिए विभिन्न गतिविधियों एवं शिक्षण सामग्री को उपयोग में लिया जाएगा।

इस पूरी शिक्षण प्रक्रिया में सप्ताह 2 से प्रत्येक सप्ताह में आंकलन एवं पुनरावृत्ति की जाएगी। आंकलन के आधार पर पीछे छूटे हुए बच्चों की पहचान कर उनके साथ विशेष अभ्यास कार्य किया जाना है। समृद्ध कार्यक्रम में निम्न कार्यों को प्रमुखता दी गयी है :–

- समृद्ध कार्यक्रम की शिक्षण योजना एवं कार्ययोजना वाले खण्ड में हम मुख्य रूप से 8 सप्ताह की व्यापक शिक्षण योजना साप्ताहिक शिक्षण योजना और प्रत्येक सप्ताह में प्रतिदिन तीनों कालांशों में किस तरह की शिक्षण योजना होगी। इसका विवरण दिया गया है।
- शिक्षण सामग्री एवं गतिविधियाँ वाले खण्ड में हम मुख्य रूप से यह समझने की कोशिश करेंगे कि किस तरह से शिक्षण सामग्रियों का बेहतर उपयोग किया जा सकता है। जैसे कलरव–1, सहज–1, कविता/कहानी पोस्टर, चित्र चार्ट आदि।
- कक्षा प्रबंधन और कक्षा में प्रिंट रिच वातावरण के निर्माण हेतु पूर्व प्रकाशित आधारशिला संदर्शिका एवं अन्य प्रिन्ट रिच मैटीरियल का उपयोग किया जायेगा।

इस पूरे कार्यक्रम के दौरान कुछ बातों का ध्यान हम सभी को विशेष रूप से रखना है, जैसे बच्चों के घर की भाषा को कक्षा में स्थान देना, सभी बच्चों को प्रत्येक गतिविधि में हिस्सा लेने के अवसर देना एवं उन्हें प्रोत्साहित करना, साप्ताहिक रूप से आंकलन एवं पुनरावृत्ति करना।

हम आशा करते हैं कि 'समृद्ध कार्यक्रम' सभी शिक्षकों एवं बच्चों के लिए एक अच्छा अनुभव होगा और हम सब मिलकर इस कार्यक्रम के उद्देश्यों को हासिल कर पाएँगें। ◆

विषय सूची


| पाठ | विषय | पृष्ठ |
|---|---|---|
| 1 | शिक्षक संदर्शिका का उपयोग कैसे करें? | 2 |
| | **भाग 1 : समृद्ध कार्यक्रम का उद्देश्य एवं रूपरेखा** | |
| 2 | [illegible] | 4 |
| 3 | [illegible] सूची की दक्षताओं पर कार्य | 5 |
| 4 | शिक्षण योजना हेतु [illegible] | 6 |
| | **भाग 2 : समृद्ध कार्यक्रम की शिक्षण योजना एवं कार्ययोजना** | |
| 5 | भाषा शिक्षण [illegible] | 8 |
| 6 | शून्य सप्ताह की [illegible] एवं दैनिक कार्य योजना | 9 |
| 7 | प्रथम कालांश (मौखिक भाषा विकास) की साप्ताहिक कार्य योजना सप्ताह 1–8 | [illegible] |
| 8 | द्वितीय एवं तृतीय कालांश (डिकोडिंग) की साप्ताहिक कार्य योजना : सप्ताह 1–8 | 15 |
| 9 | [illegible] सप्ताह 1–8 | [illegible] |
| | **भाग 3 : शिक्षण सामग्री एवं गतिविधियाँ** | |
| 10 | मौखिक भाषा विकास एवं डिकोडिंग की गतिविधियों का विवरण | 31 |
| 11 | प्रथम कालांश (मौखिक भाषा विकास) की दैनिक कार्य योजना: एक नमूना | 37 |
| 12 | साप्ताहिक आंकलन और पुनरावृत्ति | 39 |
| | **भाग 4 : कक्षा प्रबंधन और कक्षा में प्रिंट रिच वातावरण का निर्माण** | |
| | 'आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका कक्षा 1 (भाग) 2020–2021' पृष्ठ संख्या 59–59 | |

# The Silver Lining in the Covid Cloud

## Online English Speaking Course by ELTI

Disaster struck around March 2020 in the form of Covid-19. All seemed bleak, including the education scenario. Amidst it all the PM gave everyone a call to gather strength and search for opportunities. Our Basic education department took up the challenge, and so much good began happening in spite of the hurdles.

The whole vista of the online education that we see today, in fact, owes itself to the strict distance maintaining protocols of the Covid times. And we, at the English Teaching Institute (ELTI), U.P. Prayagraj, had our own special contribution to make in the form of creating an Online English Speaking Course and other e- study materials for teachers.

Spoken English is one of the weak areas of our teachers in U.P. and the reason is not far to seek. Since a language is learnt to be spoken in its environment, our teachers (like all of us) do not have that environment of English around them. Even if a person has a good knowledge of a language and can read or write it well it is not necessary that he or she can also speak it well too. The reason is that he or she can be good at speaking a language only if he or she gets ample opportunities to listen and speak it.

To train a huge number of teachers in a large state as ours has been a daunting task, not only in its magnitude but also in reducing the transmission loss in transaction. A spoken-English course has its own further complexities like ensuring practice of speaking, imparting a basic knowledge of grammar, avoiding common errors, ensuring the General Indian Pronunciation and the correct accent.

Unlike the traditional cascade system of training, the concept of the online training course gave the advantage of reaching out simultaneously to as large a number of teacher-trainees as available. It also ensured that there was no transmission loss of the content. Online training involves small expenditure as compared to off-line trainings because the expenses on travelling and accommodation are nil. Monitoring also is better in an online training as the assessment tests result in immediate certification.

It was, of course, difficult to plan the training course from scratch because we had no precedents before us and the courses available in the private sector did not seem to suit our requirement and aims. It was also to be seen that the trainee may not be burdened with difficulty in accessing the e-content and that it was user-friendly. Our persistence, and support from the State Project Office, Samgra Shiksha Abhiyan, U.P. and the SCERT paid off and we could ultimately design, develop and, launch the programme.

The key elements of the Spoken English Course are as follows-

- ❖ English language course is designed to provide the required environment of English language and provide ample practice of listening and speaking English.
- ❖ 132 modules of around 10-12 minutes each have been prepared keeping the attention-span of the trainee-teachers in mind. It thus totals around 25 hours.
- ❖ Hosted on the DIKSHA portal of the Ministry of Education, Government of India.
- ❖ It is much beyond the usual courses existing in the private sector because it trains in the knowledge of essential grammar, syntax, common errors along with the spoken English practice. It follows the General Indian English based on the British pronunciation.
- ❖ There are plenty of assessment exercises which have to be successfully cleared to generate a certificate of completion of a module.

At the last count, the course was being attended by more than 14,000 teachers of English medium Parishad schools and the English teachers of KGBV and the teachers have found it really useful. Since the e-material is hosted on the DIKSHA platform of the Ministry of Education, Government of India, and can be downloaded and viewed offline it is very convenient to the teachers.

It is hoped that not only all the teachers of Parishad schools but even teachers and students of secondary schools, and the teachers in the private sector, may take the course and improve their English speaking skills in future. ◆

**Dr. Skand Shukla**
PES-Principal,
English Language Teaching Institute,
U.P., Prayagraj

# 'ऑनलाइन शिक्षा वरदान है'

मनाओ मत छुट्टी कर लो खूब पढ़ाई।
यही तो है जीवन की असली कमाई।।
सभी हो जाए शिक्षित यहीं अरमान है।
ऑनलाइन शिक्षा वरदान है।।

कोरोना के डर से घर पर ही रहना।
मन लगाकर पढ़ो मानो मेरा कहना।।
हमको भी ऑनलाइन मिल रहा ज्ञान है।
ऑनलाइन शिक्षा वरदान है।।

नई तकनीक से पढ़ो सबको यह बताना है।
मोबाइल वाले गुरूओ का आभार जताना है।।
घर बैठे पढ़ाई यहीं तो विज्ञान है।
ऑनलाइन शिक्षा वरदान है।।

सामाजिक दूरी भगाए कोरोना महामारी।
घर में ही बैठें जिसे जान हो प्यारी।।
फढ़ना ऑनलाइन सरकारी फरमान है।
ऑनलाइन शिक्षा वरदान है।।

सरकार ने अच्छी योजना चलाई है।
घर बैठे भी करा रही पढ़ाई है।।
हमें विभाग पर बड़ा अभिमान है।
ऑनलाइन शिक्षा वरदान है।।

ऑनलाइन पढ़ो सबको बताना है।
चाहे जैसे हो संसाधन जुटाना है।।
कारवां आगे बढ़ाओ इसी में सम्मान है।
ऑनलाइन शिक्षा वरदान है।।

आन आफ का चक्कर बहुत बड़ा काम है।
हिम्मत नहीं हारना भाई 'महादेव' नाम है।।
कुछ नया करने वाले का ही गुणगान है।
ऑनलाइन शिक्षा वरदान है।।
नये रूप में बनानी अपनी पहचान है।
ऑनलाइन शिक्षा वरदान है।।

◆

**डॉ बृजेश महादेव**
शिक्षक एवं साहित्यकार
बेसिक शिक्षा परिषद, सोनभद्र

# प्राथमिक विद्यालयों के छात्र बनेंगे प्रेरक

## (प्रेरक बालक/बालिका)

परिषदीय विद्यालयों में मिशन प्रेरणा के अन्तर्गत प्राथमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों को ग्रेड कॉम्पीटेंट बनाने हेतु कक्षा–1 से 5 तक के बच्चों में भाषा एवं गणित में अपेक्षित अधिगम स्तर सुनिश्चित करने के लिये फाउण्डेशन लर्निंग गोल्स निर्धारित किये गये हैं।

जो छात्र/छात्रायें अपनी कक्षा में हिन्दी व गणित विषयों के अनुरूप प्रेरणा लक्ष्यों को प्राप्त कर लेंगे उन्हें विद्यालय के प्रेरक बालक या प्रेरक बालिका के रूप में चयनित कर सम्मानित किया जायेगा। इससे छात्र/छात्राओं में एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का विकास होगा और समाज पर भी एक सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। शिक्षक भी अपने विद्यालय के अधिक से अधिक बच्चों को प्रेरक बालक बनाने में मदद करेंगें।

- प्रेरणा लक्ष्य ऐप के माध्यम से ही विद्यार्थियों का आकलन किया जाएगा तथा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि विद्यार्थी प्रेरक बालक/बालिका घोषित किये जाने योग्य है अथवा नहीं।
- छात्रों के अधिगम स्तर के आंकलन हेतु राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उ.प्र., लखनऊ द्वारा प्रेरणा लक्ष्य ऐप हेतु उत्तर सहित प्रश्न बैंक तैयार किया जायेगा। प्रश्न बैंक को नियमित तौर पर अद्यतन किया जाता रहेगा जिससे कि बच्चों को विभिन्न प्रकार के प्रश्नों को हल करने के अवसर प्राप्त हो सकें तथा उनका अभ्यास पुष्ट हो सके।
- प्रेरक बालक/बालिका के चयन के लिये बच्चों का आकलन डायट के डी.एल.एड. प्रशिक्षुओं, डायट मेंटर तथा ब्लॉक के ए.आर.पी. द्वारा किया जाएगा। इस दौरान एस.आर.जी. आकलन वाले विद्यालयों का भ्रमण कर इसका अनुश्रवण करेंगे। यह आकलन प्रत्येक माह के दूसरे और चौथे शनिवार को किया जाएगा। यदि किसी कारणवश उक्त शनिवार को अवकाश है, तो उसके पहले वाले कार्य दिवस में यह आकलन सुनिश्चित किया जाएगा। डायट प्राचार्य के निर्देशन में प्रत्येक त्रैमास के लिए एक रोस्टर तैयार किया जाएगा, जिसमें सभी डी.एल.एड. प्रशिक्षुओं, डायट मेंटर तथा ब्लॉक के ए.आर.पी. को विद्यालय आवंटित किये जाएंगे। रोस्टर इस प्रकार से तैयार किया जाये जिससे कि सम्बन्धित त्रैमास में जनपद के सभी विद्यालयों में एक बार बच्चों का 'प्रेरणा लक्ष्य ऐप' पर आकलन सुनिश्चित हो सके। यह प्रक्रिया आगामी 1 अप्रैल, 2021 से की जाएगी। प्रत्येक त्रैमास के लिए अलग रोस्टर बनाया जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया को

जनपद जालौन में आयोजित प्रेरणा ज्ञानोत्सव कार्यक्रम में प्रेरक बालिका कु. नेहा और प्रेरक बालिक शिवा प्राथमिक विद्यालय शंकरपुर को जनपद–जालौन को सम्मानित करते हुये मा. विधायक श्री नरेन्द्र सिंह जादौन

गुणवत्तापूर्ण ढंग से क्रियान्वित करने तथा प्रेरणा लक्ष्य ऐप का प्रयोग कर आकलन करने पर समझ व कौशल बनाने हेतु समस्त डायट प्रचार्य, डी.एल.एड. प्रशिक्षुओं, डायट मेंटर तथा ब्लॉक के ए.आर.पी. को पूर्व प्रशिक्षित किया जायेगा। आकलन वाली तिथि से कम से कम एक सप्ताह पूर्व विद्यालय को इसकी सूचना दी जायेगी। यह सूचना रोस्टर के अनुसार सम्बन्धित आकलनकर्ता द्वारा उपलब्ध करायी जायेगी। 'प्रेरणा लक्ष ऐप' पर आकलन हेतु किसी भी विद्यालय के कक्षा 1–5 के बच्चे स्वयं को नामांकित कर सकते हैं या प्रधानाध्यापक शिक्षकों की मदद से उन बच्चों की सूची बना सकते हैं जिनका प्रदर्शन प्रेरणा लक्ष्यों के अनुरूप है। इस प्रकार की सूची प्रत्येक प्रधानाध्यापक /सहायक अध्यापक आकलन वाले दिन से पूर्व तैयार कर आकलनकर्ता को उपलब्ध करायेंगे। आकलनकर्ता द्वारा स्वयं के स्मार्टफोन/ टैबलेट से नामांकित बच्चों का आकलन सुनिश्चित किया जायेगा तथा बच्चों द्वारा बताए गए उत्तर को 'प्रेरणा लक्ष्य ऐप' पर दर्ज किया जायेगा। इस प्रकार समस्त चिन्हित बच्चों का आकलन कर उनके उत्तर को 'प्रेरणा लक्ष्य ऐप' पर दर्ज किया जाएगा। प्रथम त्रैमास (अप्रैल–जून 2021) में इस प्रकार 'प्रेरक बालक/बालिका' की पहचान हेतु आकलन का प्रथम राउण्ड समाप्त होने के पश्चात द्वितीय त्रैमास जुलाई–सितम्बर, 2021 के लिए रोस्टर के अनुसार आकलन प्रारम्भ किया जाएगा।

प्रत्येक त्रैमास के आखिरी सप्ताह में विद्यालय स्तर पर प्रधानाध्यापक व एस.एम.सी. द्वारा 'प्रेरक सम्मान समारोह' आयोजित किया जायेगा। इस समारोह में बच्चों के अभिभावकों व समुदाय के गणमान्य लोगों को भी आमंत्रित किया जाएगा।

इस समारोह में समुदाय के लोगों से प्रत्येक 'प्रेरक बालक/बालिका' को सम्मानित करते हुए विद्यालय द्वारा एक बैज प्रदान किया जाएगा। इससे समुदाय के साथ विद्यालय का जुड़ाव भी बेहतर ढ़ंग से हो सकेगा।

विद्यालय को प्रेरक विद्यालय बनाने में समुदाय की सकारात्मक प्रतिभागिता हेतु उन्हें इस पूरी प्रक्रिया से जोड़ने हेतु उनका भी सम्मान किया जायेगा। ◆

# परिषदीय विद्यालय के बच्चे

परिषदीय स्कूलों की हम तुमको बात बताते हैं,
विद्यालय के बच्चों का हम तुमको हाल सुनाते हैं।

यूनिफॉर्म पहन कर आते हैं और जूता मोजा भी,
सभी किताबें और कापियाँ बैग में लेकर आते हैं।

खेल–खेल में पढ़ते हैं और रहते हैं वे हर दम खुश,
नयी–नयी गतिविधियों से जब शिक्षक उन्हें पढ़ाते हैं।

जब वे कक्षाओं में होते पूरे मन से पढ़ते हैं,
होता है जब इण्टरवल तब मिड डे मील वो खाते हैं।

पढ़ते–पढ़ते जब कुछ उनका मन सा भरने लगता है,
सब बच्चों को पास बुलाकर खेल खिलाये जाते हैं।

बेसिक स्कूलों के बच्चे बदल रहे हैं तेजी से,
कॉन्वेन्ट स्कूलों के बच्चे भी मात खा जाते हैं।

◆

**अब्दुल मुबीन**
सहायक निदेशक
बेसिक शिक्षा निदेशालय
उत्तर प्रदेश, लखनऊ

# गाँजर क्षेत्र (सीतापुर) का विद्यालय बना आदर्श विद्यालय

## (राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षिका)

**सुश्री रूचि अग्रवाल**
प्रधानाध्यापिका
प्राथमिक विद्यालय–पिडुरिया
विकास क्षेत्र–बेहटा
जनपद–सीतापुर

**पुरस्कार**
जिलाधिकारी द्वारा उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार–2016
राज्य अध्यापक पुरस्कार–2018
राज्य आईसीटी पुरस्कार–2019

सुश्री रूचि अग्रवाल एक कर्तव्यनिष्ठ और होनहार अध्यापिका हैं जिन्होंने सीतापुर के ऐसे बीहड़ क्षेत्र जो गाँजर के रूप में जाना जाता है वहाँ के प्राथमिक विद्यालय को आदर्श विद्यालय में परिवर्तित कर दिया है। आपका सपना था कि पिछड़े क्षेत्र के छात्रों को भी शहरी क्षेत्र के छात्रों की तरह आधुनिक शिक्षा मिलनी चाहिए। जिसे आपने अपने समर्पण से पूरा कर दिखाया। आपने ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को नई तकनीक से शिक्षा देकर उन्हें आगे बढ़ने के लिये प्रेरित किया है। आपने विद्यालय में शिक्षण एवं अधिगम में प्रयोगात्मक आधुनिक व नवाचारी सृजनात्मक विधाओं के प्रयोग पर बल दिया है।

आपको विद्यालय में अनके बाधाओं और चुनौतियों का सामना करना पड़ा। आपका विद्यालय जनपद सीतापुर के गाँजर क्षेत्र में स्थापित है। विद्यालय में अनेक समस्यायें थी जैसे दूरस्थ व दुर्गम क्षेत्र, भौतिक सुविधाओं का अभाव बाधित विद्युत आपूर्ति, अपर्याप्त स्टाफ की समस्या। शिक्षा के प्रति उदासीनता, सरकारी विद्यालयों के प्रति विश्वास की कमी ऐसे में सबसे बड़ी चुनौती–ग्रामीण परिवेश के लोगों के मानसिक स्तर व सोच को बदलने की थी। वे अपने बच्चों को घरेलू कार्य और अन्य व्यवसायिक गतिविधियों में संलग्न रखना चाहतें हैं। शिक्षा उनकी प्राथमिकता में शामिल नहीं है। ऐसे परिवेश में शिक्षा के प्रति समझ विकसित करना एक बहुत बड़ी चुनौती थी। इन चुनौतियों का आपने हिम्मत और समझदारी से सामना किया। अब आपका विद्यालय जिले का आदर्श विद्यालय है।

पाँच वर्ष के अंतराल में आपने अपने विद्यालय परिसर को विभिन्न सुविधाओं से युक्त किया और व्यवस्थागत विकास, पर बल दिया। विद्यालय को सौर ऊर्जा संचालित परिसर में बदलकर नवाचारी शिक्षण विधियाँ जैसे स्मार्ट क्लास, सूचना प्रौद्योगिकी तकनीक, दृश्य–श्रव्य उपकरण आदि के प्रयोग से विद्यालय में शैक्षिक नवाचारों को दृढ़ता प्रदान की गयी है। प्ले रूम–''ड्रीम वर्ल्ड'' की स्थापना आपका महत्वपूर्ण कदम रहा, जिससे बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायता मिली है। बच्चों के विभिन्न जनपद स्तरीय प्रतियोगितओं में प्रतिभाग करने व पुरस्कृत होने से उनके आत्मविश्वास में वृद्धि हुई है। विद्यालय के बच्चों द्वारा जनपद स्तर पर प्राइवेट विद्यालय के बच्चों से आगे निकालना आपके प्रयास से ही सम्भव हुआ है। इस नवसृजित वातावरण से बच्चों का न केवल शैक्षिक अपितु सर्वांगीण विकास हो रहा है।

शिक्षा के प्रति समर्पण के परिणाम स्वरूप आपको वर्ष, 2018 में राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। ◆

# जो कल खिलेंगे वे फूल हैं ''यह''

## (राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षिका)

**श्रीमती यतिका पुण्डीर**
सहायक अध्यापिका
प्राथमिक विद्यालय–कमालपुर
विकास क्षेत्र–रजपुरा
जनपद–मेरठ

**पुरस्कार**
जिला स्तरीय उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार–2015
राज्य शिक्षक पुरस्कार–2018
राज्य स्तरीय आई.सी.टी. पुरस्कार–2018

श्रीमती यतिका पुण्डीर अपने विद्यालय के बच्चों की परवरिश, शिक्षा–दीक्षा और सर्वांगीण विकास को अपने हर कर्तव्य से ऊपर समझती हैं। आपका मानना है कि हमारे छात्र ''जो कल खिलेंगे वह फूल हैं'' भविष्य में देश का निर्माण इन्हीं के कन्धों पर होगा। श्रीमती पुण्डीर अपने विद्यार्थियों को हर क्षेत्र में उत्कृष्ट बनाने की दिशा में लगातार प्रयास करती रहती हैं। बच्चों को पाठ्यक्रम की शिक्षा देने के साथ–साथ उनमें खेल–कूद, क्राफ्ट और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा दे रही हैं। बच्चों के विकास में अभिभावकों से बराबर ताल–मेल रखना, उनसे समय–समय पर आयोजित होने वाली पैरेन्ट–टीचर मीटिंग में बच्चों के शैक्षिक कौशल की चर्चा करना आपकी महत्वपूर्ण गतिविधि है।

आप द्वारा छात्रों को आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी से केवल शिक्षा ही नहीं दी जाती बल्कि उन्हें आई.सी.टी. गतिविधियों में शामिल भी किया जाता है। विषयगत जानकारी के साथ ही उन्हें पोषण, संतुलित आहार और सामान्य ज्ञान की भी जानकारी दी जाती है। आपके प्रयास से विद्यालय के छात्र शिक्षा व खेल–कूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं।

श्रीमती पुण्डीर विद्यालय की गतिविधियों में बढ़–चढ़कर तो प्रतिभाग करती ही हैं आप सामाजिक और सरकारी कार्यक्रमों में भी बराबर हिस्सा लेती हैं। जनपद में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम जैसे ''हेल्थ हाइजीन फार गर्ल्स एन्ड सेल्फ, डिफेन्स'', मतदाता जागरूकता, महिला सशक्तिकरण और पल्स पोलियो अभियान आदि में भाग लेकर आप अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन कर रही हैं।

विद्यालयों के बच्चों को पठन–पाठन की गतिविधियों से इतर उन्हें विभिन्न संस्थाओं और स्थानों के भ्रमण पर ले जाना और हैपीनेस और लर्निंग वीक के माध्यम से उनमें सीखने की क्षमता का विकास करने का कार्य आपने बड़े सुसंगठित ढंग से किया है।

आपने अपने निजी प्रयासों से डोनेशन के माध्यम से एक बड़ी सुन्दर लायब्रेरी बनायी है जिसमें विभिन्न विषयों की लगभग 650 पुस्तकें हैं। अपने विद्यालय के अलावा दूसरे विद्यालयों के लिये भी आपने पुस्तकें एकत्र कर उन्हें दी हैं। आपकी बहुआयामी गतिविधियों के लिये आपको वर्ष 2018 का राज्य शिक्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया है। ◆

# बच्चों की पहली पसन्द बना विद्यालय

## (राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षिका)

**श्रीमती सुवासिनी**
प्रधानाध्यापिका
आदर्श प्राथमिक विद्यालय–लांक–1
जनपद–शामली

**पुरस्कार**
जिला उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान–2016
राज्य शिक्षक सम्मान–2018

श्रीमती सुवासिनी शिक्षा के प्रति समर्पित एक ऐसी आदर्श शिक्षिका हैं जिन्होंने अपने विद्यालय में किये गये छोटे–छोटे प्रयासों को इतना विशाल बना दिया कि बच्चे अपने अभिभावकों से इसी विद्यालय में प्रवेश दिलाने की जिद करते हैं। आपके समर्पण का ही परिणाम है कि मध्यम से लेकर उच्च आय वर्ग के लोग भी अपने बच्चों को आपके विद्यालय में प्रवेश दिलाकर गौरव का अनुभव करते हैं।

आकी नियुक्ति वर्ष 1997 में इस विद्यालय में सहायक अध्यापिका के पद पर हुयी थी। तब से अब तक विद्यालय के शैक्षिक एवं शिक्षणेत्तर गतिविधियों के उन्नयन के लिये आप द्वारा किये जा रहे प्रयासों का ही परिणाम है कि विद्यालय के छात्र–छात्रायें अनेक परीक्षाओं, खेल–कूद और सांस्कृतिक गतिविधियों में प्रथम स्थान पा रहे हैं। विद्यालय में स्थानीय प्राइवेट विद्यालयों के बच्चे भी प्रवेश ले रहे हैं। वर्ष 2014 से आपके विद्यालय को अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा के लिये नामित किया गया था। वर्तमान में विद्यालय के छात्र अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा प्राप्त कर आगे बढ़ रहे हैं।

वर्ष 1918 में स्थापित किये गये इस विद्यालय में अनेक नामचीन हस्तियों ने अध्ययन किया है। इसी विद्यालय के कभी छात्र रहे डॉ. अशोक कुमार इस समय नासा में वैज्ञानिक हैं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा जिला स्तर पर आयोजित परीक्षा ''आओं जाने क्या सीखा'' में विद्यालय के 14 बच्चे टॉपर रहें।

आदर्श प्राथमिक विद्यालय–लांक–1 अंग्रेजी माध्यम से

शिक्षा देने के लिये उत्कृष्ट विद्यालय के रूप में जाना जाता है। वर्ष 2017 में तत्कालीन जिलाधिकारी ने विद्यालय को जिले के उत्कृष्ट विद्यालय के सम्मान से नवाज़ा था।

आपका विद्यालय आज सभी प्रकार की सुविधाओं से सुसज्जित है। विद्यालय में स्मार्ट क्लास के माध्यम से शिक्षा प्रदान की जाती है। आपरेशन कायाकल्प के अन्तर्गत सभी कार्य पूर्ण हो गये हैं। विद्यालय में आप द्वारा छात्रों के सर्वांगीण विकास का निरन्तर प्रयास किया जाता है। छात्रों को पढ़ाई के साथ–साथ खेल–कूद, योग और शैक्षणिक भ्रमण पर ले जाया जाता है। आपकी शिक्षा के प्रति लगन और निष्ठा को देखते वर्ष 2018 में राज्य स्तर पर उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार से माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा आपको सम्मानित किया गया है। ◆

# लोग साथ आते गये और कारवाँ बनता गया

## (राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षिका)

**सुश्री अंजू गुप्ता**
प्रधानाध्यापिका
प्राथमिक विद्यालय–खम्हौरा
विकास क्षेत्र–महुआ
जनपद–बांदा

**पुरस्कार**
राज्य शिक्षक सम्मान–2018

सुश्री अंजू गुप्ता एक ऐसी संघर्षशील शिक्षिका हैं जिन्होंने कभी कठिनाइयों से हारना नहीं सीखा है। आपका मानना है कि ''मनुष्य का जीवन लम्बा नहीं बल्कि शानदार होना चाहिए। आपके संघर्ष की कहानी बेसिक शिक्षा विभाग में सहायक अध्यापक के रूप में वर्ष 2004 में चयन के साथ ही शुरू हो गयी थी। प्रथम नियुक्ति प्राथमिक विद्यालय अधरौरी में हुयी थी। विद्यालय में अव्यवस्थाओं का अम्बार, जन सहयोग शून्य, छात्रों की उपस्थिति नाम मात्र की थी। विद्यालय में छात्रों का नामाँकन तो था लेकिन पढ़ने आने वाले कुछ ही छात्र थे। उन्हें भी पढ़ना लिखना मुश्किल लगता था। ऐसे माहौल से निराश न होकर आपने अपने कर्तव्य पथ पर दृढ़ता से चलना शुरू किया। नियमित रूप से समय से स्कूल आना, प्रार्थना, खेल–कूद और पठन–पाठन पर तेजी से काम करना और बाद में बच्चों के साथ उनके अभिभावकों से मिलना यही आपकी दिनचर्या बन गयी। आपके परिश्रम का धीरे–धीरे परिणाम आना शुरू हुआ। समुदाय में विद्यालय की छवि सुधरने लगी। छात्रों की उपस्थिति और ठहराव में आशातीत वृद्धि हुयी। विद्यालय के नामाँकन में वृद्धि के साथ–साथ अपार सामुदायिक सहायोग भी प्राप्त हुआ।

जून 2013 में आप ने प्रधानाध्यापक के रूप में प्राथमिक विद्यालय खम्हौरा–प्रथम, विकासखण्ड–महुआ, जिला–बांदा का कार्यभार संभाला। यह विद्यालय एक बड़ी चुनौती के रूप में आपके समक्ष खड़ा था। विद्यालय की दयनीय स्थित बाउन्ड्री का अभाव, विद्यालय में जानवर व सुअर लोटते रहते थे। आस–पास के लोग विद्यालय की गतिविधियों में अनावश्यक हस्तक्षेप भी करते रहते थे। बरसात में बच्चों के बैठने की जगह नहीं रहती थी। विद्यालय में वैसे तो नामाँकन 288 बच्चों का था लेकिन आने वाले बच्चे बहुत कम होते थे।

शैक्षणिक स्तर की बात करना तो बेकार की बात थी। 288 बच्चों में एक विद्यार्थी ही ऐसा था जो पुस्तक पढ़ पाता था। ग्रामीण भी विद्यालय की इस दशा से खिन्न रहते थे।

सुश्री अंजू गुप्ता जी ने इन सभी समस्याओं से लड़कर विजय प्राप्त की। आज आपका विद्यालय एक आदर्श विद्यालय है। विद्यालय में भौतिक सुविधाओं के विकास के साथ शैक्षिक स्तर उन्नत हुआ है। अभिभावक और ग्रामीण अब विद्यालय की हरेक गतिविधि में सहयोग करते हैं। विद्यालय में प्रार्थना, पी. टी., योग और देशभक्ति गीत गाने की नियमित प्रक्रिया है। कक्षा में छात्रों के लिये खेल के माध्यम शिक्षण पद्धति का विकास हुआ है। कक्षा शिक्षण में विशेष प्रयास किया गया जिसके सुखद परिणाम प्राप्त हुये हैं। विद्यालय में समय–समय पर साँस्कृतिक कार्यक्रम, खेल प्रतियोगिताओं और रोजगार परक शिक्षा जैसे–सिलाई, क्राफ्ट आदि की शिक्षा देने का कार्य किया जाता है। बच्चों को आप शैक्षिक भ्रमण पर भी ले जाती हैं, जिनमें अभिभावक बराबर सहयोग करते हैं।

विद्यालय में आप द्वारा अभिभावक सम्मेलन, वार्षिकोत्सव, जन्म दिवस, और राष्ट्रीय पर्व त्योहारों का आयोजन किया जाता है। मध्यान्ह भोजन का भी बराबर ध्यान रखा जाता था। करोना काल में अभिभावकों को अलग–अलग समय पर बुलाकर उन्हें बच्चों के लिये शिक्षण सामग्री दी जाती रही है। अभिभावक भी अपने बच्चों की शिक्षा के लिये सतर्क रहते हैं।

विद्यालय में आपरेशन कायाकल्प के अन्तर्गत सभी तरह की सुविधायें हैं। विद्यालय के प्रति ग्रामवासियों और अभिभावकों में आदर और सम्मान है। विद्यालय में नयी तकनीक से शिक्षा मिलने को अभिभावक एक अवसर के रूप में देखते हैं। विद्यालय को और उन्नत बनाने का आपका संघर्ष जारी है।आपकी लगन और संघर्षशीलता को देखते हुये आपको वर्ष 2018 के राज्य शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया है। ◆

# एक विद्यालय जहाँ के छात्र हर क्षेत्र में अग्रणी हैं

## (राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षिका)

**श्रीमती मोहनी आभा**
प्रधानाध्यापिका
प्राथमिक विद्यालय–मल्लाहन खेड़ा
बक्शी का तालाब, लखनऊ

**पुरस्कार**
राज्य शिक्षक सम्मान–2018

श्रीमती मोहिनी आभा प्राथमिक विद्यालयों की बेस्ट परफार्मर शिक्षिका हैं। आपने अपने प्रयासों से लखनऊ जिले के साधारण विद्यालय को माडल विद्यालय में बदल दिया है। आम विद्यालयों की तरह आपका विद्यालय पहले एक पिछड़ा विद्यालय ही था जहाँ मात्र 68 छात्र नामांकित थे। विद्यालय में छात्रों की उपस्थिति बहुत कम थी। विद्यालय में भौतिक सुविधाओं के अभाव के साथ–साथ शैक्षिक स्तर पर भी ध्यान नहीं दिया गया। छात्रों व अभिभावकों का विद्यालय से कोई लगाव नहीं था।

श्रीमती मोहनी आभा ने पहले दिन से यह तय कर लिया था कि विद्यालय की सूरत और सीरत बदलनी है। आपने एक ओर जहाँ विद्यालय में भौतिक सुविधाओं के विकास के लिये कार्य करना शुरू किया वहीं दूसरी ओर अभिभावकों से घर पर सम्पर्क कर स्कूल मैनेजमेंट कमेटी को सक्रिय किया। विद्यालय में नियमित रूप से पैरेंट टीचर मीटिंग बुलाना। शैक्षिक उन्नयन के लिये टी.एल.एम. का प्रयोग, बच्चों में खेलकूद, योगाभ्यास आदि गतिविधियों पर जोर दिया। आपके प्रयासों को नयी दिशा मिली अब विद्यालय में 180 बच्चों का नामांकन ही नहीं बल्कि वे रोज स्कूल भी आते हैं। विद्यालय के छात्र हर क्षेत्र में अग्रिम पंक्ति में नज़र आते हैं। विद्यालय के छात्र विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे सामान्यज्ञान, सुलेख, हिन्दी ओलम्पियाड आदि में बाजी मार रहे हैं। शिक्षा के साथ–साथ खेलकूद प्रतियोगिताओं में भी प्रथम स्थान प्राप्त कर रहे हैं। बच्चों में सांस्कृतिक गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

श्रीमती मोहिनी आभा विद्यालय को उत्कृष्टता के चरम पर ले जाने के साथ–साथ सामाजिक गतिविधियों में भी बढ़–चढ़ कर हिस्सा ले रही हैं। सामुदायिक समारोहों में आपने बराबर भाग लेकर समुदाय को विद्यालय से जोड़ने का कार्य किया है।

आपने विद्यालय को स्मार्ट क्लास जैसी सुविधाओं के माध्यम से नई तकनीक से जोड़ा है जिसका लाभ कोरोना काल में छात्रों को हुआ है।

विद्यालय को आपरेशन कायाकल्प के माध्यम से समस्त भौतिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। विद्यालय के छात्र मिशन प्रेरणा के अधिगम स्तर को प्राप्त कर रहे हैं। आपके विद्यालय को वर्ष 2018 में तत्कालीन जिलाधिकारी द्वारा माडल विद्यालय घोषित किया गया। आप जिले की प्रेरक शिक्षिका के रूप में पहचानी जाती हैं। आपके प्रयासों को माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा वर्ष 2018 का शिक्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया है। ◆

# छात्रों का सर्वांगीण विकास ही जिसका लक्ष्य है

## (पूर्व माध्यमिक विद्यालय कोइलरा, औराई जनपद–भदोही)

उन्नत हौसले और कर्तव्य पथ पर दृढ़ता से आगे बढ़ने की क्षमता किसी को अप्रत्याशित सफलता दिला सकती है। ऐसी ही अप्रत्याशित सफलता प्राप्त करने वाली सुश्री ज्योति कुमारी है जो अंग्रेजी माध्यम पूर्व माध्यमिक विद्यालय कोइलरा, विकासखण्ड औराई, जनपद भदोही में कार्यरत हैं। आपने अपने प्रयासों से विद्यालय के छात्रों को पढ़ाई के साथ–साथ गैर शैक्षणिक गतिविधियों में भी अग्रणी बना दिया है। कोरोना काल में जहाँ हर क्षेत्र में सूचना संचार प्रौद्योगिकी (ICT) का बोलबाला है। आप अपने विद्यालय के छात्रों के लिये शैक्षणिक गतिविधियों में सत्र 2015 से ही आई.सी.टी. का प्रयोग कर रही हैं। छात्रों को 2017 से प्रोजेक्टर 3 डी ग्लास और यू–ट्यूब के माध्यम से शिक्षित कर रही हैं। आप द्वारा प्रयोग की जा रही आई.सी.टी. गतिविधियों का सबसे बड़ा फायदा बच्चों को कोरोना काल में प्राप्त हुआ। छात्रों को भी नयी तकनीक भा रही है जिसका परिणाम यह रहा कि तीन–चार वर्षों में आपके विद्यालय में छात्रों की संख्या 3 गुना हो गयी है।

छात्रों में शिक्षा के प्रति रूझान बढ़ाने और उनको मानक स्तर तक लाने के लिये आपने मिशन शिक्षण संवाद से प्रेरित होकर हर माह के अन्तिम शनिवार को एक अनोखे कार्यक्रम की शुरूआत की। इस कार्यक्रम में पिछले माह पढ़ाये गये पाठ्यक्रम पर वस्तुनिष्ठ प्रश्नपत्र तैयार कर उससे छात्रों की परीक्षा ली जाती है। इस परीक्षा में जिन बच्चों का प्रदर्शन अच्छा होता हैं। उन्हें पुरस्कृत किया जाता है। परीक्षा में जिन बच्चों का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं होता उन्हें चिन्हित कर सहायक अध्यापकों की मदद से उनकी उपचारात्मक कक्षा चलाई जाती है। जिसमें बच्चों को आगे बढ़ने के लिये प्रेरित किया जाता है। इस प्रक्रिया का सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। छात्र पाठ्यक्रम के साथ–साथ सामान्य ज्ञान में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं।

छात्र केवल पठन–पाठन तक ही न सीमित रहें बल्कि


माइक्रोसॉफ्ट प्लेटफॉर्म पर जुड़े शिक्षक




उनका सर्वांगीण विकास हो इसके लिये माह अप्रैल में सात दिवसीय विशेष आयोजन किया जाता है जिसमें प्रथम दिन पेंटिंग, द्वितीय दिवस–सामान्य ज्ञान एवं क्राफ्ट, तृतीय दिवस–मेंहदी, चतुर्थ दिवस–अनुपयोगी वस्तुओं से टी.एल.एम. आगे क्रमशः मिट्टी की वस्तुओं का निर्माण, रंगोली और अन्तिम दिन सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन कराया जाता है। यह प्रतियोगिता छात्रों की छिपी हुयी प्रतिभा को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है।

बच्चों की प्रतिभा निखारने के लिये प्रतिवर्ष विद्यालय में बाल मेला लगाना तथा छात्रों को शैक्षिक भ्रमण पर ऐतिहासिक स्थलों तक ले जाना और वहाँ के इतिहास से परिचित कराने का महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। इन गतिविधियों के साथ–साथ बच्चों के जन्मदिन मनाना, समय–समय पर बच्चों की प्रतियोगिता के आधार पर स्टूडेन्ट ऑफ द इयर, बाल संसद, होनहार बच्चों के अभिभावकों को भी सम्मानित करने जैसी गतिविधियाँ बच्चों के उत्साह को दुगुना कर रही हैं।

विद्यालय में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिये उन्हें खेलों में भी आगे बढ़ने के अवसर प्रदान किये जाते हैं। छात्रों द्वारा राज्य स्तर पर स्वर्ण पदक प्राप्त करना भी विद्यालय की उपलब्धि है।

विद्यालय के प्रति आपके समर्पण और आई.सी.टी. में विशेष उपलब्धि के लिये आपको अप्रैल 2019 में निदेशक बेसिक शिक्षा श्री सर्वेन्द्र बहादुर सिंह द्वारा उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। ◆

सौजन्य से,
**सुश्री ज्योति कुमारी**
प्रभारी प्रधानाध्यापिका
पूर्व माध्यमिक विद्यालय–कोइलरा
जनपद–भदोही

# शिक्षण का अनोखा तरीका

## बोलती पुस्तकें

मैं डा. रागिनी गुप्ता अभिनव प्राथमिक विद्यालय ककोरगहना में प्रधानाध्यापिका के रूप में कार्यरत हूँ। लाकडाउन से पहले मैं अपने विद्यालय के बच्चों को कहानियाँ सुनाया करती थी। मैंने देखा कि बच्चे कहानियाँ सुनने में बहुत रूचि लेते हैं। कहानियों के साथ–साथ विद्यालय के पुस्तकालय में रखी किताबों के अलग–अलग विषयों को भी उन्हें स्वराघात के साथ सुनाती रहती थी। इस विधि से बच्चे बड़ी जल्दी सीखने लगे। पुस्तकें पढ़कर सुनाने का कार्यक्रम चल ही रहा था तभी कोरोना के चलते विद्यालय बन्द हो गये। अब बच्चों की शिक्षा में बड़ा अवरोध आ गया। इसी के चलते मेरे मन में एक विचार आया कि क्यों न हम पाठ्य–पुस्तकों व अन्य पुस्तकालय की पुस्तकों के वीडियों बनाऊँ और उन्हें यू–ट्यूब के माध्यम से बच्चों तक पहुंचाया जाय। कार्य कठिन था फिर भी मैने हार नहीं मानी और विभिन्न विषयों, कहानियों पर वीडियों बनाकर यू–ट्यूब के माध्यम से ''पुस्तकों की दुनिया–मेरी कहानी'' शीर्षक से बच्चों तक पहुंचाने लगी। वीडियों के लिये चयनित सामग्री प्रत्येक कक्षा के लिये अलग–अलग स्तर की होती थी। वीडियों के लिये मैं पहले चित्र बनाती फिर आवाज के साथ उन्हें वीडियों में शामिल करती थी।

इस कार्यक्रम को काफी सफलता मिली। विद्यालय के बच्चों के साथ अन्य स्कूलों के बच्चे वीडियों से लाभान्वित हुये हैं। वीडियो आधारित कहनियों और विषयों से बच्चों को कुछ नया सोचने, कल्पना करने का मौका मिलता है। बच्चों में इस प्रकार के शिक्षण का बहुत सकारात्मक प्रभाव पड़ा है उनमें उत्साह और उमंग देखते ही बनती है। बच्चों में भी

रचनात्मकता का विकास हुआ है। वे अब मेरी कहानियाँ दूसरों को सुनाने लगे हैं। इस नवाचार का प्रदर्शन मैंने नई दिल्ली में ''शिक्षा में शून्य निवेश'' कार्यशाला में भी किया था, जिसकी केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री माननीय श्री रमेश पोखरियाल निशंक द्वारा प्रशंसा की गयी थी। ◆

**डा. रागिनी गुप्ता**
प्रधानाध्यापिका,
अभिनव प्राथमिक विद्यालय,
ककोरगहना, जौनपुर

# बच्चों के बौद्धिक विकास की दिशा में एक सरहानीय पहल

## (प्राथमिक विद्यालय सरैया, चरगाँवा, गोरखपुर)



प्राथमिक विद्यालय सरैंया विकास खण्ड–चरगाँवा जनपद–गोरखपुर की प्रधानाध्यापिका श्रीमती अनीता श्रीवास्तव द्वारा बच्चों के बौद्धिक विकास की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुये उनके लिये एक सामान्य ज्ञान पुस्तिका का संकलन किया गया। सामान्य ज्ञान पुस्तिका का विमोचन सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक), गोरखपुर मण्डल डा. सत्य प्रकाश त्रिपाठी एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, श्री भूपेन्द्र नारायण सिंह द्वारा किया गया। पुस्तिका में कक्षा–1 से लेकर कक्षा–5 तक के बच्चों के लिये कक्षावार प्रश्नोत्तरी के रूप में बच्चों की उम्र समझ और बौद्धिक क्षमता के अनुरूप देश और प्रदेश से जुड़ी सामान्य ज्ञान की जानकारी संकलित की गयी है। सहायक निदेशक बेसिक शिक्षा ने पुस्तिका को बच्चों के लिये लाभकारी मानते हुये श्रीमती अनीता श्रीवास्तव के प्रयास की सराहना की है। गोरखपुर के मुख्य विकास अधिकारी श्री अनुज सिंह, आई.ए.एस. ने पुस्तिका को बच्चों के ज्ञान में वृद्धि के साथ–साथ रूचिकर ढंग से सामान्य ज्ञान की जानकारी देने और उनके सर्वांगीण विकास में उपयोगी बताया है।

सामान्य ज्ञान पुस्तिका में कक्षा–1 के बच्चों के लिये 40 प्रश्नों को प्रश्नोत्तर शैली में पिरोया गया है। कक्षा–2, 3, 4 व 5 के लिये उनके स्तर को देखते हुये प्रश्नों और उत्तरों को सम्मिलित किया गया है। पुस्तिका बच्चों के ज्ञान में वृद्धि करने में निश्चित रूप से सहायक होगी। ◆



**सामान्य ज्ञान पुस्तिका का हुआ विमोचन**

अनीता का कार्य सराहनीय है : सहायक निदेशक बेसिक शिक्षा

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा




सौजन्य से

**श्रीमती अनीता श्रीवास्तव**

प्रधानाध्यापिका

अंग्रेजी माध्यम प्राथमिक विद्यालय, सरैया

विकास खण्ड–चरगाँवा, जनपद–गोरखपुर

# संख्या के आधार पर बड़े कालेज को मात देता परिषदीय विद्यालय

## (संविलयन परिषदीय विद्यालय–बागराणप, लोनी गाजियाबाद)

प्राथमिक शिक्षा को समर्पित परिषदीय विद्यालय बागराणप विकास खण्ड–लोनी, गाजियाबाद में इस समय कुल नामॉकन 1833 बच्चों का है। यह विद्यालय संख्या के आधार पर बड़–बड़े कालेजों को तो मात दे ही रहा है। विद्यालय के प्रबन्धन, शैक्षिणिक और शिक्षणेत्तर गतिविधियों में भी यह अग्रिम पंक्ति में स्थान रखता है। इस विद्यालय में

वर्तमान में 23 शिक्षक कार्यरत हैं। विद्यालय में छात्रों की संख्या को देखते हुये प्रत्येक कक्षा में 3 सेक्सन बनाकर शिक्षण कार्य को प्रभावी बनाया जा रहा है। विद्यालय का प्रांगण काफी बड़ा है। विद्यालय में आपरेशन कायाकल्प के अनुरूप सभी प्रकार की भौतिक सुविधाओं का विकास कराया गया है। कक्षा–कक्ष आधुनिक फर्नीचर और स्मार्टक्लास की सुविधा से युक्त है। बड़ी संख्या होने के कारण कुछ बच्चे अनुपस्थित रहने लगे थे। उनकी उपस्थिति बढ़ाने के लिये विद्यालय में तैनात सहायक शिक्षिका सुश्री नीरव शर्मा ने एक नई पहल की। आप ने सर्वप्रथम एक ऐसा कक्ष तैयार कराया जिसकी दीवारों पर सुन्दर चित्र बनाये गये। स्वयं तथा समुदाय के सहयोग से कक्ष में आकर्षक शिक्षण अधिगम सामग्री की व्यवस्था की गयी। इस कक्षा को गतिविधि कक्ष का नाम दिया गया। प्रत्येक कक्षा के छात्रों के लिये इस गतिविधि कक्ष में

समय और दिन निर्धारित किया गया। गतिविधि कक्ष में बच्चों को मनोरंजक शैक्षिक विधि से स्वनिर्मित अधिगम सामग्री से शिक्षा दी जाने लगी। इस गतिविधि कक्ष में बच्चे बड़े लगाव से शिक्षा ग्रहण करते हैं। उनके अन्दर एक नई ऊर्जा का संचार हुआ है। छात्रों को गतिविधि कक्ष में अपनी बारी आने का

इन्तजार रहता है। बच्चों में शिक्षा के प्रति बढ़ते लगाव को देखकर अभिभावक भी उन्हें स्कूल भेजने के लिये तत्पर रहते हैं। शासन द्वारा 01 मार्च, 2021 से स्कूल खोलने के निर्णय के बाद अभिभावक बराबर फोन से विद्यालय में अपने बच्चों को भेजने के लिये फोन कर रहे थे। एक मार्च को कोविड–19 गाइडलाइन के अनुसार प्राथमिक कक्षाओं के छात्रों का आना शुरू हो गया है। दीर्घ अन्तराल के पश्चात् विद्यालय आना और उनकी चहल–पहल सचमुच विद्यालय में नयी ऊर्जा का संचार हो रहा है। ◆

सौजन्य से
**सुश्री नीरव शर्मा**
सहायक अध्यापिका
संविलियन विद्यालय
बागराणप लोनी, गाजियाबाद

# नई तकनीक के साथ कला समावेशी शिक्षण ने दी नई पहचान

## (मॉडल प्राथमिक विद्यालय कासिमपुर, अलीगढ़)

मॉडल प्राथमिक विद्यालय कासिमपुर, विकासखण्ड–अकबराबाद, जनपद–अलीगढ़ के छात्रों को नई सूचना संचार प्रौद्योगिकी (आई.सी.टी.) के साथ–साथ विभिन्न कलाओं का संगम एक नई पहचान दे रहा है। छात्र कठिन से कठिन प्रकरणों को आसानी से सीख लेते हैं। बच्चों को विद्यालय की स्मार्ट क्लास और विद्यालय का नया कलेवर बहुत भा रहा है। विद्यालय में छात्रों की उपस्थिति शत–प्रतिशत और शैक्षिक स्तर में आश्चर्यजनक वृद्धि इसका प्रमाण हैं।

विद्यालय के वर्तमान स्वरूप और शैक्षिक स्तर के उन्नयन में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है विद्यालय के सहायक अध्यापक श्री सुरेन्द्र कुमार ने। सुरेन्द्र कुमार का कहना है कि जिस समय उन्होंने विद्यालय ज्वाइन किया था, विद्यालय की स्थिति बड़ी दयनीय थी, छात्र–छात्राओं की उपस्थिति अच्छी नहीं थी। ग्रामवासी भी विद्यालय की स्थिति से काफी निराश थे।

मैं समस्याओं से निराश न होकर उनको दूर करने के प्रयास में जुट गया। सबसे पहले मैने छात्र–छात्राओं की रूचि का ध्यान रखते हुये निजी स्रोत से विद्यालय में स्मार्ट क्लास की स्थापना की। छात्रों के शैक्षणिक एवं सर्वांगीण विकास के लिये आई.सी.टी. के साथ–साथ कहानी और नाटकों की सहायता से शिक्षण कार्य प्रारम्भ किया। छात्रों पर इस शिक्षण तकनीक का अत्यधिक प्रभाव पड़ा। उनकी उपस्थिति लगभग शत–प्रतिशत हो गयी। अभिभावकों में भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। ऑपरेशन कायाकल्प से विद्यालय के छात्रों अभिभावकों और शिक्षकों को एक नई ऊर्जा प्राप्त हुयी है। कायाकल्प से विद्यालय के प्राँगण में टाइल्स, टेनिस कोर्ट, गेम्स रूम, पुस्तकालय और परिसर को हरा–भरा बनाने के लिये वृक्षारोपण किया गया है। योजना के अन्तर्गत कक्षों को सँवारा गया है। कक्षा–कक्षों की दीवारों पर शिक्षाप्रद आकर्षक

पेन्टिंग्स करायी गयी है। हमारा विद्यालय आज निजी विद्यालयों की अपेक्षा सभी के आकर्षण का केन्द्र है।

करोना काल में छात्रों को व्हाट्सएप ग्रुप से जोड़कर वीडियो, ऑडियो के माध्यम से शिक्षा दी गयी है। विद्यालय के यू–ट्यूब चैनल पर अनेक पाठ्यक्रम सम्बन्धी वीडियोज डाले गये हैं जिसका लाभ छात्रों के साथ–साथ साथी अध्यापकों ने भी उठाया है। विद्यालय खुलने का तो जैसे छात्रों को इंतजार ही था। विद्यालय में उनका नये परिवेश में स्वागत किया गया। छात्रों में उत्साह और खुशी तथा सीखने की ललक चरम पर है। विद्यालय खुलने से पूर्व एस.एम.सी. की बैठक में सदस्यों ने विद्यालय की भौतिक और शैक्षणिक प्रगति की सराहना की हैं। इस समय विद्यालय की नामाँकन संख्या 361 है। एस.एम.सी. सदस्यों का अनुमान है कि यह संख्या आगामी वर्ष में 400 से ऊपर जायेगी।

विद्यालय में मेरे प्रयासों को आयुक्त अलीगढ़ द्वारा व्यक्तिगत रूप से सम्मानित किया गया है। ◆

सौजन्य से,
**सुरेन्द्र कुमार**
सहायक अध्यापक
मॉडल प्राथमिक विद्यालय
कासिमपुर (अकबराबाद), जनपद–अलीगढ़

# आपरेशन कायाकल्प से विद्यालयों की बदली तस्वीर

## (जनपद पीलीभीत)

प्रदेश के मुख्यमंत्री मा. योगी आदित्यनाथ की संकल्पना एवं प्राथमिकता की योजना 'आपरेशन कायाकल्प' के अंतर्गत प्रदेश के 1 लाख 35 हजार विद्यालयों का कायाकल्प करके उनमें भौतिक सुविधाओं का विकास किया गया है।

जनपद पीलीभीत में कुल प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों की संख्या 1503 हैं। जिनमें प्राथमिक विद्यालय 932, उच्च प्राथमिक विद्यालय 294, सम्मिलित विद्यालय 277 है। पीलीभीत के बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री चन्द्रकेश यादव ने बताया कि जनपद के अधिकांश विद्यालयों में आपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत चिन्हित 14 सुविधाओं का विकास कराया जा चुका है। इन सुविधाओं के विकास से विद्यालयों की तस्वीर बदल रही है। लोगों का ध्यान अब विद्यालय की ओर गया है वे अपने बच्चों के प्रवेश के लिये सम्पर्क भी कर रहे हैं।

## आपरेशन कायाकल्प की एक झलक

ENGLISH MEDIUM SCHOOL
P.S.AND U.P.S. CHANTFIROJPUR
PURANPUR PILIBHIT
COME FOR LEARNING
GO FOR LEARNING

SWACHH BHARAT

# अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च, 2021) पर विशेष
# बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन की पहल : मिशन शक्ति

प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिये विगत 17 अक्टूबर, 2020 को नवरात्रि के पावन पर्व पर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यानाथ द्वारा मिशन शक्ति योजना का शुभारम्भ किया गया था। शारदीय नवरात्रि से चैत्र नवरात्रि तक छः माह तक चलने वाली इस मिशन शक्ति योजना में ग्राम पंचायत स्तर से लेकर औद्योगिक स्तर पर विद्यालयों में विभिन्न सरकारी संस्थाओं में महिलाओं की सुरक्षा सम्मान और स्वावलम्बन के लिये कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं।

प्रदेश के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों, कस्तूरबा गाँधी विद्यालयों में बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलम्बन हेतु विशेष जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया है। इसके अन्तर्गत निम्न कार्य किये गये :–

- उच्च प्राथमिक विद्यालय स्तर पर नेतृत्व क्षमता में अग्रणी एवं अभिव्यक्ति में सक्षम 45590 बालिकाओं का पावर एंजिल के रूप में चयन एवं प्रशिक्षण।
- जेण्डर इक्विटी के मुद्दों पर बेसिक शिक्षा में कार्यरत 4400 अकादमिक रिसोर्स पर्सन (ए0आर0पी) और 225 राज्य सन्दर्भ समूह (एस0आर0जी0) को सीमेंटे प्रयागराज द्वारा नेतृत्व क्षमता के उन्नयन हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- 14500 प्राथमिक विद्यालयों की बालिकाओं को आत्मरक्षा हेतु 1 मार्च से जूडो–कराटे का प्रशिक्षण प्रारम्भ किया गया।
- प्रदेश के 133693 विद्यालयों में गठित विद्यालय प्रबन्ध समितियों की 668195 महिला सदस्यों को बालिकाओं की शिक्षा तथा जेण्डर इक्विटी के मुद्दों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

- राज्य सड़क परिवहन निगम से समन्वय स्थापित कर 1450 बसों के माध्यम से प्रदेश के दूरस्थ अंचलों तक बालिका शिक्षा के लिये प्रचार–प्रसार किया गया।
- बालिकाओं को विद्यालय तथा समुदाय स्तर पर आने वाली बाधाओं को चिन्हित करते हुए उक्त बाधाओं के समाधान की कार्य योजना तैयार कर कार्य प्रारम्भ किया गया।
- छात्र–छात्राओं को सुरक्षा एवं संरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिये 5.68 लाख शिक्षकों को निर्देशित किया गया।

- जेण्डर इक्विटी के सन्दर्भ में 671236 बच्चों को जागरूक किया गया।
- मिशन प्रेरणा के अन्तर्गत अध्यापकों के लिये अरमान माड्यूल से सम्बन्धित सत्र ''हमारा परिवार एवं लिंग भेदभाव, लक्ष्य निर्धारण, समस्या समाधान, दृढ़ निश्चय, कौशल का विकास, किशोरावस्था एवं माहवारी प्रबन्धन, किशोर–किशोरियों के प्रति हिंसा, बाल–विवाह एवं हमारे कानूनी अधिकार'' से सम्बन्धित सामग्री उपलब्ध करायी गयी।
- 495758 शक्ति मंच की सुगमकताओं को जागरूकता के लिये प्रशिक्षण एवं प्रचार सामग्री दी गयी।

- परिषदीय विद्यालयों में अभिभावकों को बुलाकर बच्चियों की सुरक्षा के बारे में बताया गया। उन्हें चाइल्ड हेल्प लाइन 1098, महिला हेल्प लाइन 1090, पुलिस हेल्प लाइन 112 तथा सहायता के लिये 181 नम्बरों की

जानकारी दी गयी।

- बालिका दिवस के अवसर पर यौन उत्पीड़न, आत्मरक्षा के उपाय, मौलिक अधिकार, पाक्सो एक्ट, बाल–विवाह निषेध, घरेलू हिंसा अधिनियम पर ऑनलाइन प्रतियोगितायें आयोजित की गयी।
- विद्यालयों में बालिकाओं को माहवारी स्वच्छता प्रबन्धन सम्बन्धी जागरूकता हेतु यूनीसेफ की फिल्म सहेली दिखायी गयी।
- बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा 27 फरवरी से 3 मार्च, 2021 तक मिशन शक्ति के अन्तर्गत विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया।
- 8 मार्च, 2021 को महिला दिवस के अवसर पर विद्यालयों में महिला चौपाल का आयोजन किया गया जिसमें अभिभावकों को बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा सशक्तिकरण और स्वावलम्बन की शपथ दिलायी गयी। इस अवसर पर नारा दिया गया –

**हमारी बेटी, हमारा अभिमान**
**प्रेरक प्रदेश की है पहचान**

◆

सौजन्य से
**श्रीमती सरिता सिंह**
सलाहकार
यूनीसेफ, समग्र शिक्षा अभियान

# सुर्खियों में बेसिक शिक्षा



AFTER A YEARLONG PANDEMIC BREAK

## Cakes for students as primary schools reopen

में खुल गए प्राथमिक विद्यालय

## दस फरवरी से खुलेंगे कक्षा छह से आठ तक के स्कूल

पहली मार्च से प्राइमरी स्कूलों में शुरू हो जाएगी पढ़ाई

## 26,000 govt primary schools to get furniture for first time

## च्छे से पढ़ाई कर सपना ूरा करना : सीएम योगी

उत्तर प्रदेश

## 'अब छात्रों के खाते में सीधे भेजी जाएगी स्कूल ड्रेस की कीमत'

मिलेगा लाभ

## Prerna App new feature to aid teacher-parent dialogue launched

jagran.com

## हायक अध्यापक भर्ती की लिखित रीक्षा में अब होगा एक प्रश्नपत्र

डेड स्कूलों के शिक्षक भर्ती के शासनादेश में दो प्रश्नपत्रों का उल्लेख

## सरकारी स्कूलों के शिक्षक भी अब जाएंगे बच्चों के घर

निर्देश

## होमवर्क नहीं करा पाई तो मां ने लिखा लिया स्कूल में

बेसिक शिक्षा

## आज से चलेंगी एक से पांच तक की भी कक्षा

कोरोना से सुरक्षा को निर्देश

दैनिक 13

राज

नऊ 13 फरवरी, 2021

## बच्चों के बुनियादी लर्निंग कौशल के लिए बनाएं कार्ययोजना : मुख्यमंत्री

बेसिक शिक्षा के पाठ्यक्रमों में भारतीय परिवेश व संस्कृति पर जोर

सभी जिलों में आदर्श रूप में

उत्तराखंड आपदा से प्रभावित

# मिशन प्रेरणा

## उत्तर प्रदेश, प्रेरक प्रदेश

मुद्रक : प्रकाश पैकेजर्स, 257—गोलागंज, लखनऊ